वर्ष-15, अंक-66
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

आनंद वहा नहीं हैं, जहा धन मिल, आनंद तो वहा हैं जहां मन मिले।

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार, 12 जून 2024

चंद्रबाबू नायडू ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

पीएम मोदी ने गले लगाकर दी बधाई

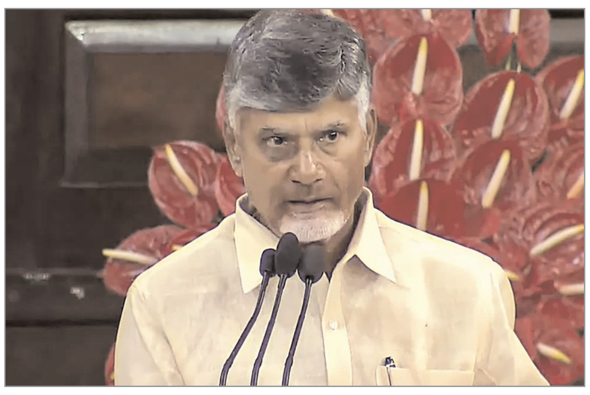

टीडीपी प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को चौथी बार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। विजयवाड़ा में हुए आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। शपथ ग्रहण के बाद पीएम मोदी ने गले लगाकर नायडू को बधाई दी। विधानसभा चुनावों में चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में एनडीए ने रिकॉर्ड जीत दर्ज की है, जिसमें भाजपा के साथ ही पवन कल्याण की पार्टी जन सेना भी शामिल है।चंद्रबाबू नायडू के बाद जन सेना पार्टी प्रमुख पवन कल्याण ने पद तथा गोपनीयता की शपथ ली। तीसरे नंबर पर चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश ने शपथ ली। शपथ लेने के बाद नारा लोकेश ने पीएम के पैर छूने की कोशिश की, लेकिन मोदी ने रोक लिया। शपथ ग्रहण कार्यक्रम विजयवाड़ा के बाहरी इलाके में गन्नावरम हवाई अड्डे के पास केसरपल्ली आईटी पार्क में हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा और एनडीए के कई बड़े नेता शामिल हुए। टीडीपी महासचिव और नायडू के बेटे नारा लोकेश तथा जनसेना के नेता एन मनोहर को भी मंत्रिमंडल में स्थान मिल सकता है। इससे पहले मुख्य सचिव नीरभ कुमार प्रसाद ने जानकारी दी कि, पीएम मोदी बुधवार सुबह 8.20 बजे दिल्ली से गन्नावरम हवाई अड्डे के लिए रवाना होने और 10.40 बजे तक पहुंचेंगे। कार्यक्रम के अनुसार, 11 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक होने वाले शपथग्रहण समारोह में भाग लेने के बाद प्रधानमंत्री के दोपहर 12.40 बजे हवाई अड्डे लौटने और 12.45 बजे भुवनेश्वर के लिए उड़ान भरने की संभावना है।

18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से, राष्ट्रपति

27 जून को पेश करेंगी नई सरकार का रोडमैप

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को घोषणा की कि 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून को शुरू होगा, जिसमें नवनिर्वाचित सदस्य शपथ लेंगे। इसके साथ ही सदन के अध्यक्ष का चुनाव भी किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 27 जून को लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी और अगले पांच वर्षों के लिए नई सरकार के रोडमैप की रूपरेखा पेश करेंगी। लोकसभा के पहले सत्र में किस दिन क्या होगा? 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से 3 जुलाई तक चलेगा। राज्यसभा का 264वां सत्र 27 जून से 3 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान कई अहम काम पूरे किए जाएंगे। आइए जानते हैं कि पूरे सत्र के दौरान किस दिन क्या होगा। नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण- 24 से 26 जून के बीच लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्य शपथ लेंगे। लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव- सत्र के पहले तीन दिनों में लोकसभा के नए अध्यक्ष का चुनाव होगा। राष्ट्रपति का अभिभाषण- 27 जून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी और नई सरकार के रोडमैप की रूपरेखा पेश करेंगी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा- अभिभाषण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से संसद में अपने मंत्रिपरिषद का परिचय कराए जाने की उम्मीद है। धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस- विपक्षी दल राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में आक्रामक रुख अपना सकते हैं। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने दी जानकारी किरण रिजिजू ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया, 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून 2024 से 3 जुलाई 2024 तक चलेगा, जिसमें नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण, अध्यक्ष का चुनाव, राष्ट्रपति का अभिभाषण और उस पर चर्चा होगी। राज्यसभा का 264वां सत्र 27 जून से 3 जुलाई तक चलेगा। विपक्ष सरकार को घेरने की कोशिश करेगा लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन के शानदार प्रदर्शन के बाद, उम्मीद है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में इंडी गठबंधन आक्रामक रहेगा। वे एनडीए सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की कोशिश करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस का जवाब देंगे

जम्मू कश्मीर में 24 घंटे के भीतर दो आतंकी हमले

कठुआ में घायल सैनिक शहीद, डोडा में पांच जवान समेत 6 लोग घायल

जम्मू-कश्मीर में बीते 24 घंटे में दो आतंकी हमले हुए। मंगलवार रात पहला हमला कठुआ में हुआ। वहीं इसके कुछ घंटे बाद डोडा में सेना और पुलिस की संयुक्त चौकी पर आतंकियों ने हमला कर दिया। कठुआ में घायल दो जवानों में से एक की बुधवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। कठुआ में हुए एनकाउंटर के दौरान सुरक्षा बलों ने एक आतंकी को मार गिराया। वहीं, डोडा चेक पोस्ट पर हुए हमले में पांच सैनिक समेत 6 लोग घायल हो गए। घायलों में एक स्थानीय व्यक्ति है। मंगलवार देर रात चत्तरगला इलाके में स्थित सेना और पुलिस की संयुक्त चौकी पर हमले के बाद सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। जम्मू क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आनंद जैन बुधवार सुबह बताया कि पहाड़ी इलाकों में मुठभेड़ जारी है। डोडा हमले से कुछ घंटे पहले, कठुआ जिले के हीरानगर स्थित सैखा सुखदल गांव में आतंकियों ने एक घर पर गोलीबारी की थी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। कठुआ के सैदा गांव में हुए हमले के बाद, सुरक्षा बलों ने आतंकियों को पकड़ने के लिए अभियान शुरू किया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया। एनकाउंटर के दौरान सीआरपीएफ के कांस्टेबल कबीर दास घायल हो गए थे, बुधवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। डोडा और कठुआ में हमलों के बाद, सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को पकड़ने के लिए व्यापक अभियान चलाया है। पहाड़ी इलाकों में एनकाउंटर अभी भी जारी है।डीसी कठुआ राकेश मिन्हास और एसएसपी अनायत अली चौधरी मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

रियासी में बस पर किया गया था हमला: बता दें कि बीते रविवार की देर शात जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में एक बस पर आतंकी हमला हुआ था। इस हमले को अंजाम देने में लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर अबू हमजा का हाथ था। रियासी में आतंकियों ने घात लगाकर तीर्थयात्रियों की बस को निशाना बनाया था। गोलीबारी में ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया, जिससे बस खाई में जा गिरी थी। इसमें नौ लोगों की मौत हो गई थी और 41 लोग घायल हुए थे।

हमले के बाद से इलाके में हाईअलर्ट: सुरक्षाबलों ने जम्मू और राजौरी जिले में हाईअलर्ट जारी किया है और आतंकवादी हमले के बाद से ही सर्च ऑपरेशन जारी है। उधमपुर-रियासी रेंज के डीआईजी रईस मोहम्मद भट ने कहा कि सुरक्षाबलों को कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं। जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की 11 टीमें श्रद्धालुओं पर अटैक करने वाले आतंकियों की तलाश में जुटी हैं।

सुरक्षा को लेकर रणनीति बनाने में जुटे सुरक्षाबल: जम्मू-कश्मीर में हाल के आतंकवादी हमलों ने सुरक्षा स्थिति को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। डोडा, कठुआ और रियासी में हुई घटनाएं इस बात का संकेत हैं कि आतंकवादी समूह फिर से सक्रिय हो रहे हैं। सुरक्षा बल अब न केवल आतंकवादियों को पकड़ने के लिए अधिक सतर्कता बरत रहे हैं, बल्कि उन क्षेत्रों में भी निगरानी बढ़ा रहे हैं जिन्हें अब तक सुरक्षित माना जाता था। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों ने इन चुनौतियों का सामना करने के लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी है।

मोदी 3.0: केंद्र सरकार ने यूपी को दिया सबसे ज्यादा पैसा

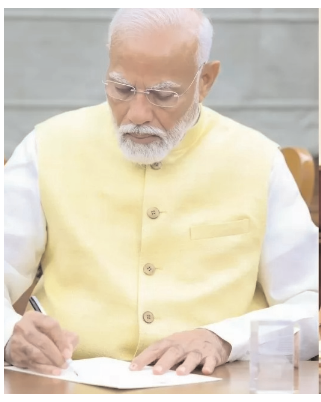

केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनने के बाद सोमवार को कैबिनेट का गठन हुआ और मंत्रियों को उनके विभाग सौंपे गए। वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी एक बार फिर निर्मला सीतारमण को दी गई। विभागों के बंटवारे के तुरंत बाद वित्त मंत्रालय ने राज्यों को 1,39,750 करोड़ रुपए का टैक्स डिवोल्यूशन जारी करने का फैसला किया। इस आवंटन में सबसे ज्यादा धनराशि उत्तर प्रदेश को मिली है।

उत्तर प्रदेश को 25,069.88 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जबकि गठबंधन के मजबूत सहयोगी नीतीश कुमार के नेतृत्व वाला बिहार दूसरे स्थान पर है। बिहार को 14,056.12 करोड़ रुपए मिले हैं। मध्य प्रदेश तीसरे नंबर पर है, जिसे 10,970.44 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए हैं। इस लिस्ट में चौथे नंबर पर पश्चिम बंगाल है। बता दें कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मोदी सरकार की धुर विरोधी मानी जाती है। सबसे ज्यादा टैक्स डिवोल्यूशन पाने वाले वाले राज्यों में महाराष्ट्र पांचवें नंबर पर है।

अंतरिम बजट 2024-25 में राज्यों को टैक्स डिवोल्यूशन के लिए 12,19,783 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि जून 2024 के लिए डिवोल्यूशन राशि की नियमित रिलीज के अलावा एक अतिरिक्त इंस्टॉलमेंट भी जारी होगी। इसे राज्य सरकारें विकास और पूंजीगत खर्च में तेजी लाने के लिए इस्तेमाल कर सकेंगी। इस प्रकार, सोमवार को राज्यों को हस्तांतरित कुल राशि 2,79,500 करोड़ रुपए हो गई है। वित्त मंत्रालय ने अन्य राज्यों को भी बड़ी धनराशि आवंटित की है- पश्चिम बंगाल- 10,513.46 करोड़ रुपए, महाराष्ट्र- 8,828.08 करोड़ रुपए, राजस्थान- 8,421.38 करोड़ रुपए, ओडिशा- 6,327.92 करोड़ रुपए, तमिलनाडु- 5,700.44 करोड़ रुपए, आंध्र प्रदेश- 5,655.72 करोड़ रुपए, गुजरात- 4,860.56 करोड़ रुपए

छोटे राज्यों को भी मिली राशि : इसके अलावा, झारखंड को 4,621.58 करोड़ रुपए, कर्नाटक को 5,096.72 करोड़ रुपए, पंजाब को 2,525.32 करोड़ रुपए, हिमाचल प्रदेश को 1,159.92 करोड़ रुपए, केरल को 2,690.20 करोड़ रुपए, मणिपुर को 1,000.60 करोड़ रुपए और मेघालय को 1,071.90 करोड़ रुपए मिले हैं।

राज्यों की आर्थिक स्थिति में सुधार का प्रयास: इस आवंटन का उद्देश्य राज्य सरकारों को उनके विकास और पूंजीगत खर्च को तेज करने में सहायता प्रदान करना है। इससे राज्यों की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी और वे तेजी से विकास कर सकेंगे। वित्त मंत्रालय के इस फैसले से राज्यों को उनकी जरूरी परियोजनाओं और योजनाओं के लिए पर्याप्त धन मिलेगा, जिससे जनता को भी लाभ होगा।

जेपी नड्डा की अध्यक्ष पद से होगी छुट्टी, भाजपा को जल्द मिल सकता है नया कार्यकारी अध्यक्ष

भाजपा के मौजूदा अध्यक्ष जेपी नड्डा अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट का हिस्सा बन गए हैं, जिससे भाजपा को नया अध्यक्ष मिलने की संभावना है। पार्टी के सूत्रों ने संकेत दिया है कि इस महीने के अंत में पीएम मोदी के इटली दौरे से लौटने के बाद पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष चुना जाएगा।

कार्यकारी अध्यक्ष का हो सकता है चयन: नए फुलटाइम पार्टी अध्यक्ष चुनने से पहले भाजपा का संसदीय बोर्ड कार्यकारी अध्यक्ष का चयन कर सकता है। बोर्ड जेपी नड्डा से पद पर बने रहने और कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने के लिए भी कह सकता है। बता दें कि बीजेपी में एक व्यक्ति एक पद का सिद्धांत लागू है। कार्यकारी अध्यक्ष तब तक काम करेंगे जब तक कि सदस्यता अभियान और साल के अंत तक संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती।

अध्यक्ष को लेकर क्या कहता है बीजेपी का पार्टी संविधान: भाजपा के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी होता है जब 50 प्रतिशत राज्यों में संगठनात्मक चुनाव पूरे हो जाते हैं। सदस्यता अभियान जुलाई में शुरू होगा और करीब छह महीने तक चलेगा। दिसंबर-जनवरी में नए अध्यक्ष का चुनाव होगा। कार्यकारी अध्यक्ष को पूर्णकालिक अध्यक्ष भी चुना जा सकता है। निर्वाचित अध्यक्ष का कार्यकाल जनवरी 2025 से शुरू होगा।

जेपी नड्डा के कार्यकाल का दो बार हुआ विस्तार: जेपी नड्डा को 2019 में कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था और जनवरी 2020 में औपचारिक रूप से उनका चुनाव हुआ था। अमित शाह को गृह मंत्री बनाए जाने के बाद पार्टी की जिम्मेदारी नड्डा को सौंपी गई थी। नड्डा का कार्यकाल इस साल जनवरी में समाप्त हो गया, लेकिन आम चुनावों को देखते हुए उन्हें जून के अंत तक विस्तार दिया गया। बता दें कि दो बार नड्डा के अध्यक्ष पद के कार्यकाल का विस्तार किया जा चुका है।

कौन होगा बीजेपी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष?: पार्टी के नए अध्यक्ष के लिए संभावित उम्मीदवारों में मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और हरियाणा के पूर्व सीएम मनोहर लाल के नाम शामिल थे। हालांकि, इन तीनों को मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने के बाद अब पार्टी महासचिव विनोद तावड़े, सुनील बंसल या नरेंद्र सिंह तोमर के नाम प्रमुखता से चर्चा में हैं।

कई राज्यों में पार्टी बनाएगी नए अध्यक्ष: भाजपा को कई राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष भी तय करने हैं। बिहार में सम्राट चौधरी डिप्टी सीएम के साथ अध्यक्ष पद संभाल रहे हैं। प. बंगाल के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार केंद्र में मंत्री हैं और हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी राज्य के सीएम बन गए हैं। पार्टी को राजस्थान, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में सामाजिक समीकरण साधने के लिए नए अध्यक्ष की जरूरत है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के सामने क्या होगी चुनौतियां?: भाजपा के नए अध्यक्ष को यूपी सहित कई राज्यों में संगठन को मजबूत करना होगा। इसके अलावा झारखंड, महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा चुनाव होने हैं। अगले साल की शुरुआत में दिल्ली में भी चुनाव होंगे। इन राज्यों के परिणाम पार्टी और मोदी सरकार की संभावनाओं पर सीधा असर डालेंगे। बीते दस साल में बूथ प्रबंधन भाजपा की बड़ी ताकत रही है। हालांकि, इस आम चुनाव के नतीजे ने साबित किया है कि पार्टी का बूथ प्रबंधन सबसे कमजोर कड़ी साबित हुआ है। इसके अलावा संविधान और आरक्षण खत्म होने का भ्रम अब भी वंचित वर्ग में कायम है। जाहिर तौर पर इन चुनौतियों का नए अध्यक्ष को पद संभालते ही सामना करना होगा।

न्यूज इन ब्रीफ

स्कूल कॉलेज की मनमानी से परेशान अभिभावकों ने कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

इंदौर। इंदौर में निजी स्कूलों और कॉलेज की मनमानी से परेशान अभिभावक और पालक एकता परिषद के सदस्यों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। अभिभावकों का आरोप है कि शहर के कई निजी स्कूल और कॉलेज मनमाने ढंग से चुनिंदा दुकानों से कॉपी, किताब, स्टेशनरी और यूनीफॉर्म खरीदने का दबाव बना रहे हैं। जिसमें मोटे तौर पर स्कूल संचालकों का भी कमीशन शामिल होता है। मप्र विद्यार्थी एवं पालक एकता परिषद के अध्यक्ष जीतू दीवान ने कहा कि कई सालों से शहर में कई बड़े शिक्षा माफिया कब्जा कर बैठें हैं। हर साल मनमाने तरीके से स्कूलों-कॉलेज की फीस बढ़ा देते हैं। इंदौर शहर में ही तकरीब 70 परसेंट स्कूल-कॉलेज ऐसे है जहां मनमाने ढंग से फीस बढ़ा दी गई। हमने अभी कलेक्ट्रेट कार्यालय में विरोध प्रदर्शन कर शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। गोपनीय तरीके से लिस्ट बनाकर ऐसे सभी स्कूल कॉलेजों की सूची बनाकर प्रशासन को सौपेंगे। अगर कार्रवाई नहीं होती तो स्कूल कॉलेज के बाहर प्रदर्शन किया जाएगा।

सांवेर रोड पर ट्रैक्टर की टक्कर से दो दोस्तों की मौत, फैक्टरी से घर जा रहे थे

इंदौर। इंदौर के सांवेर रोड पर दो दोस्तों की हादसे में मौत हो गई। दोनों फैक्टरी से काम निपटाकर अपने घर की तरफ जा रहे थे। तभी उन्हें एक ट्रैक्टर ने चपेट में ले लिया। बाणगंगा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना वैष्णव इंजीनियरिंग कॉलेज के पास की है। यहां पर प्रदीप पुत्र दशरथ और उनके साथ गब्बर पुत्र धीरज सिंह निवासी मालवीय नगर को एक ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जाता है कि दोनों विदिशा के रहने वाले थे। इंदौर में सांवेर रोड पर एक रॉड बनाने की फैक्ट्री में काम करते थे। पुलिस ने ट्रैक्टर जब्त कर जांच शुरू कर दी है। उधर, इंदौर के चंदन नगर इलाके में सड़क पार कर रहे एक मजदूर की हादसे में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम किया है। चंदन नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना नावदा पंथ की है। यहां अजेन्द्र पुत्र कैलाश चौहान सड़क पार कर रहा था। इस दौरान उसे वाहन रौंदकर चला गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

11 घंटे तक धधकती रही पीथमपुर की पाइप फैक्टरी, कई किमी तक फैला धुआं

इंदौर पीथमपुर। इंदौर से महज 28 किमी दूर पीथमपुर इंडस्ट्रीयल एरिया के सेक्टर-3 में एक पाइप फैक्टरी में मंगलवार सुबह 7 बजे भीषण आग लग गई। इसे बुझाने में 11 घंटे का समय लग गया। फैक्टरी में बड़ी संख्या में प्लास्टिक के पाइप रखे हुए थे, जिससे आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग इतनी भीषण थी कि इसकी लपटे और धुंआ 10 किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था। यह आग सिग्नेट पीवीसी फैक्टरी में लगी। यहां कर्मचारियों की शिफ्ट सुबह आठ बजे शुरू होती है। इससे पहले सुबह सात बजे के करीब आग लगी। इसलिए हादसे के समय फैक्टरी कोई मौजूद नहीं था। फिर भी एहतियात के तौर पर एम्बुलेंस तैनात कर दी गई थी।

पीथमपुर, इंदौर, धार और बदनावर की 20 से ज्यादा दमकलें आग पर काबू पाने में लगी रही। 20 से ज्यादा पानी के टैंकर भी बुलवाए गए। आग पर काबू पाने के लिए पहले पानी और फोम का इस्तेमाल किया गया। जब आग फैलने से नहीं रुकी तो 25 से ज्यादा डंपर से रेत और मिट्टी बुलाई गई। इसके बाद इनसे दीवार बनाकर आग को फैलने से रोका। शाम को कंपनी के पीछे के हिस्से की बाउंड्रीवॉल को तोड़ दिया गया। यहां से फायर ब्रिगेड ने अंदर जाकर आग बुझाई।

कंपनी में आग बुझाने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी आग बुझाने के लिए पाइप फैक्ट्री के पीछे बनी बाउंड्री को जेसीबी की मदद तोड़ना पड़ा। यहां से दमकल के वाहन पास से आग बुझा पाए। बताया जा रहा है कि कंपनी में आग बुझाने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। इंदौर एयरपोर्ट फायर अथॉरिटी के सीनियर मैनेजर पीयूष यादव ने बताया कि पानी की सप्लाई में दिक्कत आने की वजह से आग पर जल्दी काबू नहीं पाया जा सका। समय पर पानी मिल जाता तो जल्द ही आग पर काबू किया जा सकता था।

रेत-मिट्टी से आग को रोकने की कोशिश रेत-मिट्टी के ढेर लगाकर आग को आगे फैलने से रोकने के प्रयास किए गए। एसडीएम शश्वत शर्मा, सीएमओ निशिकांत शुक्ला, तहसीलदार जयेश प्रताप सिंह, थाना प्रभारी राजेंद्र सोनी, थाना प्रभारी संतोष कुमार दूधी ने कमान संभाल रखी थी। वहीं कंपनी परिसर में तीन तरफ से पानी का छिड़काव किया गया। मौके पर तीनों थानों का पुलिस बल मौजूद था। धार, पीथमपुर, इंदौर और बदनावर से दमकल की गाड़ियों को बुलवाया गया। लेकिन, विकराल रूप से फैली आग काबू में नहीं आई। एयरपोर्ट अथॉरिटी की फायर ब्रिगेड भी आग बुझाने में जुटी रही। इसके बाद रेत से आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया गया। इसके लिए डंपरों से रेत मंगाई गई।

फैक्टरी के अंदर रखे पाइब बाहर निकाले गए बताया जा रहा है कि फैक्टरी के अंदर जो प्लास्टिक के पाइप रखे थे वे खेती किसानी के काम आते हैं। इन पाइपों को बाहर निकाला गया ताकि माल सुरक्षित रह सके और आग आगे न फैले। सिग्नेट फैक्टरी के पास ही एक केमिकल फैक्ट्री भी है, आग को बढ़ता देख यहां भी विशेष सतर्कता बरती गई।

कई कंपिनयों के फायर एक्सपर्ट की मदद ली गई पीथमपुर एसडीएम शाश्वत शर्मा ने बताया कि फैक्ट्री में बेहद ज्वलनशील सामग्री भरी पड़ी थी, इसलिए आग बुझाने में मुश्किल आई। गीली रेत और फोम डालकर भी आग फैलने से रोकने के प्रयास किए गए। कोशिश थी कि प्लास्टिक जहां है, वहीं जल जाए। कई कंपिनयों के फायर एक्सपर्ट और प्रशासन से मदद ली गई।

सोने-चांदी के व्यापारियों से लूट का पर्दाफाश

देशभर में कुख्यात बुर्का गैंग की महिलाएं इंदौर में गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर में बुर्का गैंग की महिलाओं को पुलिस ने पकड़ा है जो देशभर में कई वारदात कर चुकी है। महाराष्ट्र के साथ ही अन्य राज्यों में भी इनके केस दर्ज हैं। सराफा में चार दिन पहले ज्वेलरी की दुकान से सोने की लटकन चोरी हो गई थी। इसके बाद पुलिस ने चोरी करने वाली दो महिला चोर और एक साथी को गिरफ्तार किया है। वारदात करने के बाद यह सभी आरोपी मालेगांव भाग गए थे। पुलिस ने कार के नंबर के आधार पर मालेगांव से तीनों को गिरफ्तार किया।

डीसीपी ऋषिकेश मीना ने बताया कि इंदौर के प्रदीप जैन की दुकान पर हुई वारदात के मामले में दो महिला चोर सईदा, सायदा और उनके साथी राजेश को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 10 लाख रुपए से ज्यादा कीमत की सोने की लटकन और कार भी जब्त की गई है। ये महिलाएं देश में कई वारदातें कर चुकी हैं, इंदौर में वारदात करने आई तो पकड़ा गईं। अभी इन्होंने महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में वारदात करना कबूल किया है। देश में अन्य जगह भी इन्होंने वारदातें की हैं जिनके बारे में पूछताछ की जा रही है।

पुलिस को चकमा देने के लिए कई बार ऑटो बदले व्यापारी प्रदीप ने अपनी शिकायत में बताया कि सराफा में मण्डोत ज्वेलर्स नाम से उनकी दुकान है। कुछ दिन पहले बुर्का पहने महिलाएं दुकान पर सोने की लटकन लेने के लिए आईं थी। एक लटकन उन्होंने पसंद की और कहा कि इसमें कुछ कमी है ठीक कर दीजिए। एक हजार रुपए एडवांस भी दिए। उन्होंने शाम को वापस आने का कहा लेकिन शाम को नहीं आईं। जब शाम को प्रदीप ने जब दुकान का सामान जांचा तो पता चला कि करीब 150 ग्राम से अधिक की सोने की लटकन गायब है। इस पर उन्होंने तत्काल सराफा थाने में केस दर्ज करवाया।

सुभाष चौक पार्किंग से कार में बैठकर फरार पुलिस ने जांच टीम गठित की और सराफा के सीसीटीवी फुटेज देखना शुरू किए। फुटेज में दोनों महिलाओं ने दुकान से जाने के बाद कई बार ऑटो बदले और फिर तीसरे ऑटो में बैठकर सुभाष चौक पार्किंग पहुंची। वहां से कार में बैठकर चली गईं। फुटेज के आधार पर पुलिस ने कार नंबर ट्रेस करना शुरू किया। नंबर के आधार पर कार इंदौर-मुंबई हाईवे के टोल से पास होने की जानकारी मिली। इसके बाद आरोपी महिलाओं के पीछे पुलिस टीम मालेगांव पहुंची और उन्हें गिरफ्तार किया।

कई वारदातें कबूल की आरोपी महिलाओं ने महाराष्ट्र में कई वारदातें कबूल की हैं। उन्होंने बताया कि इसी तरह से वे महाराष्ट्र के चिखली और कई अन्य जिलों में भी वारदात कर चुकी हैं। पुलिस ने तीनों को हिरासत में रखा है और पूछताछ कर रही है।

कई राज्यों में सक्रिय है जानवरों की तस्करी का गिरोह, लाखों रुपये में बेचते थे सांप-छिपकली और विदेशी तोते

इंदौर। विदेशी जानवरों की तस्करी में लिप्त अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफश हुआ है। दिल्ली से पकड़ में आए एक व्यापारी से पूछताछ में कई चौकाने वाले तथ्य सामने आए हैं, इस गिरोह के सदस्य कई राज्यों में भी सक्रीय हैं। ये इन जानवरों को पचास हजार से लेकर डेढ़ से दो लाख रुपये में बेचते थे। गिरोह जानवरों के खरीददारों को दस्तावेज भी फर्जी तरीके से तैयार करवाकर देते थे। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) इन लोगों की जानकारी जुटाई रहा है। वैसे तस्कर विदेशी जानवर बुलवाने के साथ ही भारत में पाए जाने वाले वन्यप्राणी भी अन्य देशों में भेजते थे। एसटीएसएफ के मुताबिक बुलंदशहर में कार्रवाई के दौरान एक व्यापारी के पास भारतीय प्रजाति के जानवर भी जब्त किए थे।

करंट अकाउंट साइबर ठगों को बेचा, 2 महीने में सवा 6 करोड़ का ट्रांजेक्शन

85 लाख की ठगी में बैंक मैनेजर और डिलीवरी बॉय को पकड़ा

इंदौर। इंदौर के सिया-गंज स्थित बैक में फर्जी अकाउंट खुलवा कर उसे साइबर ठगों को उसे बेचने के मामले में पुलिस ने बैंक के मैनेजर और फर्जी अकाउंट खुलवाने वाले डिलीवरी बॉय को पकड़ा है। साइबर पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। राज्य साइबर सेल एसपी जितेंद्र सिंह के मुताबिक इंडसइंड बैंक के बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर मोहम्मद जाबात पुत्र इरशाद मोहम्मद कुरैशी, निवासी यशवंत मार्ग, मेला रोड महिदपुर उज्जैन वर्तमान पता 401 देव साया अपार्टमैंट, स्नेहलतागंज नयापुरा इन्दौर और उत्तर प्रदेश के युवक राकेश त्रिपाठी को साइबर टीम ने गिरफ्तार किया है। उन्होंने फर्जी फर्म आरके इंटरप्राइजेस के नाम से करंट अकाउंट का खाता खुलवा कर 6 करोड़ 18 लाख की राशि डलवाई थी। इस अकाउंट को दुबई के साइबर ठगों को बेचा गया था। मोहम्मद जाबात से तीन दर्जन करंट अकाउंट खोलने की जानकारी मिली है। इसमें डेढ़ दर्जन खातों को कई राज्यों की जांच एजेंसियों ने फ्रीज करवाया है।

इस तरह से हुआ था फर्जीवाड़ा

एसपी के मुताबिक एक पीड़ित ने 85 लाख रुपए से ज्यादा की ठगी की शिकायत की थी। जिसमें जांच के बाद राकेश त्रिपाठी को पकड़ा। उसने जाबात के बारे में जानकारी दी। जाबात ने गिरोह के अन्य सदस्यों के कहने पर रुपयों के लालच में आकर फर्जी डउ से करंट अकाउंट खोलने के बार में बताया। उसने अन्य बैंक के कर्मचारी से मिलकर आरोपी राकेश का सेविंग्स अकाउंट खुलवा कर सेविंग्स की सम्पूर्ण किट प्राप्त की। वहीं आरके इंटरप्राइजेस का करंट अकाउंट भी खुलवाया था। आरोपी ने राकेश त्रिपाठी के सेविंग्स अकाउंट के एटीएम का उपयोग कर सेविंग्स अकाउंट में जमा 40 हजार रुपए केश विड्रॉल किए, जिसका लेने-देन आरोपी द्वारा अपने गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ किया गया। आरोपियों द्वारा आरके इंटरप्राइजेस का करंट अकाउंट खोलने के लिए सील (रबर स्टाम्प) एवं अकाउंट ओपनिंग फॉर्म में आरोपी द्वारा खुद फर्जी हस्ताक्षर कर खाता खोला गया। गिरोह के सदस्यों ने कॉर्पोरेट आईडी एवं बल्क अपलोड सुविधा के माध्यम से एक साथ मल्टीपल ट्रांजेक्शन करते हुए 2 माह में लगभग 6 करोड 18 लाख रुपए के ट्रांजेक्शन किए।

मालवा निमाड़ में साढ़े छह लाख स्मार्ट मीटर लगे, इंदौर सबसे आगे

इंदौर। मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्मार्ट मीटर लगाने की गति तेज कर दी है। दरअसल केंद्र की योजनाओं में भागीदारी और अनुदान के लिए स्मार्ट मीटर जरुरी शर्त बना है। प्रदेश में सबसे ज्यादा स्मार्ट मीटर लगाने के मामले में पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी पहले स्थान पर है। कंपनी ने तक मालवा और निमाड़ क्षेत्र में साढ़े छ लाख स्मार्ट मीटरों लगा दिए हैं। सबसे ज्यादा स्मार्ट मीटर इंदौर जिले में 2.80 लाख लगे है। 2025 तक दोनों संभाग के सभी नगरीय क्षेत्र 100 प्रतिशत स्मार्ट मीटरी कृत करने का लक्ष्य बिजली कंपनी ने तय कर लिया है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने बताया कि कंपनी क्षेत्र के चारों बड़े शहर इंदौर, उज्जैन, देवास, रतलाम में स्मार्ट मीटर लगाने को प्राथमिकता दी गई। इंदौर शहर में करीब 2.65 लाख और इंदौर जिले में 2 लाख 80 हजार मीटर लगे है। निमाड़ क्षेत्र में करीब 84 हजार और मालवा क्षेत्र में 5 लाख 65 हजार मीटरों की स्थापना की जा चुकी है। इसके साथ उज्जैन शहर में 80 हजार, रतलाम शहर में 72 हजार, देवास शहर में करीब 46 हजार अत्याधुनिक स्मार्ट मीटर लगे हैं। नीमच, मंदसौर, खरगोन, शाजापुर, खंडवा, धार, नीमच, झाबुआ बड़वानी जिले के नगरीय क्षेत्रों में भी स्मार्ट मीटर लगाने का काम शुरू किया जा चुका है। कंपनी के दो शहर महू और खरगोन पूर्णत: स्मार्ट मीटरी कृत हो चुके हैं। महू सबसे पहला कस्बा था जहां स्मार्ट मीटर लगाने की शुरूआत की गई थी। बिजली कंपनी दावा कर रही है कि स्मार्ट मीटर गैर घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं को पावर फैक्टर की छूट बहुत ही सटीक तरीके से प्रतिमाह दिला रहे हैं। उपभोक्ताओं के मोबाइल पर पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के ऊर्जस एप पर संबंधित बिजली उपभोक्ता के स्मार्ट मीटर संबंधित सभी जानकारी लाइव देखी जा सकती है। तोमर ने बताया कि कंपनी का लक्ष्य है कि वर्ष 2025 तक नगरीय क्षेत्र के सभी स्थानों पर स्मार्ट मीटर लगे, इसी दिशा में वर्तमान में इंदौर सहित 13 जिलों में स्मार्ट मीटरी करण प्राथमिकता के साथ जारी है।

ई-पोर्टल में खराबी की वजह से वसूली हुई कम, निगम की आर्थिक हालत खराब

इंदौर। ई-पोर्टल में हुई गड़बड़ी का खामियाजा इंदौर नगर निगम को भुगतना पड़ रहा है। नगर निगम ने 30 जून तक संपत्तिकर के 180 करोड़, जलकर के 17 करोड़ और कचरा संग्रहण शुल्क के 11 करोड़ रुपये वसूलने का लक्ष्य रखा है, लेकिन हालत यह है कि अब तक इन तीनों करों को मिलाकर 65 करोड़ रुपये की भी वसूली नहीं हुई है। वित्तीय संकटों से गुजर रहे नगर निगम ने राज्य शासन से 30 जून से पहले लोक अदालत आयोजित करने की अनुमति मांगी है। निगम के अधिकारियों लोक अदालत में 50 से 60 करोड़ रुपये की वसूली होने की उम्मीद है। निगम ने खुद भी अपने दम पर मैदान में उतरकर बकाया कर वसूली की मुहिम शुरू कर दी है। ई-पालिका पोर्टल 21 दिसंबर 2023 को हैक हो गया था। नगर निगम में संपत्ति कर, जलकर, कचरा संग्रहण कर, लायसेंस शुल्क जैसे सभी शुल्क ई-पोर्टल के माध्यम से ही जमा होते हैं। ई-पालिका पोर्टल के हैक होने की वजह से कई दिनों तक निगम का कामकाज बंद रहा। हाल ही में पोर्टल चालू तो हो गया, लेकिन अब भी इसमें पुराना रिकार्ड नहीं मिल रहा है। यही वजह है कि कर जमा करने के लिए पहुंच रहे लोगों को पुरानी रसीदें दिखाना पड़ रही हैं।

लक्ष्य से 65 फीसदी कम कर वसूली

नगर निगम के अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष अब तक संपत्ति कर के रूप में लगभग 50 करोड़ रुपये की वसूली ही हो सकी है।

यह लक्ष्य से करीब 65 प्रतिशत कम है। जलकर और कचरा संग्रहण की स्थिति भी ऐसी ही है। 207 करोड़ रुपये की वसूली के लक्ष्य के एवज में अब तक 65 करोड़ रुपये भी वसूले नहीं जा सके हैं। हमने राज्य शासन से लोक अदालत की अनुमति मांगी है।

लोक अदालत के माध्यम से निराकृत होने वाले मामलों में छूट का प्रावधान होता है। नगर निगम भी लोक अदालत में कर जमा कराने वालों को विशेष छूट देता है। इस वर्ष फरवरी और मई में लोक अदालतें आयोजित तो हुई थीं, लेकिन ई-पोर्टल के काम नहीं करने की वजह से नगर निगम को इन दोनों ही लोक अदालतों का कोई लाभ नहीं मिल सका था।

सायबर अपराध के बढ़ते खतरे को अनदेखा न करें : डॉ. वरुण कपूर

'सायबर अपराध एवं सायबर सुरक्षा' विषय पर कार्यशाला का आयोजन

इंदौर/भोपाल। वित्तीय धोखाधड़ी से बचने के लिये डेबिट, क्रेडिट कार्ड एवं खाते की जानकारी किसी को न दें क्योंकि बैंक द्वारा कभी भी किसी ग्राहक से फोन, मैसेज, ईमेल/लिंक के जरिये जानकारी नहीं मांगी जाती है। ओटीपी, यूपीआई पिन या एटीएम पिन किसी के साथ शेयर न करें। केवायसी के लिये आने वाले एसएमएस पर ध्यान न दें और न ही एसएमएस में दिये गए नंबर पर काल करें। अनजान लिंक को क्लिक न करें। अनजान एप्लिकेशन को डाउनलोड न करें। सार्वजनिक स्थल पर लगे वाई-फाई के उपयोग से बचें।

यह बात वशेष पुलिस महानिदेशक डॉ. वरुण कपूर ने जाल सभागृह इंदौर में 'सायबर अपराध एवं सायबर सुरक्षा' विषय पर ओायजित 677वीं कार्यशाला में कही। ब्लैक रिबन इनिशिएटिव सहयोग अभियान के तहत डॉ. वरुण कपूर द्वारा विद्यादान फाउंडेशन के सहयोग से यह कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें एडवोकेट्स, विनवे सॉफ्टवेयर कंपनी एवं इनसाइट इन्फोटेक कंपनी के 200 कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में विद्यादान फाण्डेशन के प्रमुख राकेश सिंह भदौरिया, विनवे सॉफ्टवेयर कंपनी के प्रमुख मनीष पांडे एवं इनसाइड इन्फोटेक कंपनी के कपिल उपाध्याय मुख्य रूप उपस्थित रहे। कार्यशाला के प्रारंभ में राकेश सिंह भदौरिया ने डॉ. कपूर को पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

डिजिटल वर्ल्ड में कार्य करने के पहले सोचें-समझें कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डॉ. कपूर ने सायबर अपराध में हो रही बढ़ोतरी के कारणों, सुरक्षित रहने के उपायों एवं सावधानियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सायबर बुलिंग, ग्रुमिंग, फिशिंग, सायबर स्टाकिंग, बैंकिंग फ्रॉड से संबंधित सायबर अपराधों के बारे में बताते हुए सायबर स्पेस का उपयोग करते समय अच्छे डिजिटल फुटप्रिंट बनाने का आग्रह किया क्योंकि डिजिटल फुटप्रिंट कभी भी खत्म नहीं होते हैं। सायबर वर्ल्ड में कोई भी गतिविधि सोच समझकर करें, क्योंकि सायबर वर्ल्ड के किसी भी अपराध को डिजिटल फुटप्रिंट के माध्यम से आसानी से पकड़ा जा सकता है। इसलिये डिजिटल वर्ल्ड में कार्य करने के पहले सोचें, समझें व फिर कार्य करें और अच्छा फुटप्रिंट बनाए। सोशल मीडिया पर बिना सोचे-समझे किसी भी पोस्ट को लाइक, शेयर या फारवर्ड न करें और न ही अनजान व्यक्ति की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करें।

प्रत्येक व्यक्ति को जानकार ही नहीं, जागरूक बनना जरूरी डॉ. कपूर ने बताया कि सायबर अपराध दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। इसके दुष्प्रभाव के शिकार होने से सुरक्षित रहने का सबसे उचित तरीका सुरक्षा के उपायों को ध्यान में रखना है। डॉ. कपूर ने प्रत्येक व्यक्ति को जानकार ही नहीं जागरूक बनने की आवश्यकता पर बल दिया । सायबर अपराधियों द्वारा वित्तीय धोखाधड़ी फिशिंग के माध्यम से की जाती है। फिशिंग एक ऑनलाइन अपराध है। यहां अपराधी आपकी निजी एवं संवेदनशील जानकारी चुराने के लिये लुभावने ईमेल, मैसेज, विज्ञापन या अन्य संसाधन का प्रयोग करता है। मैसेज के जरिये लिंक भेजकर आपकी व्यक्तिगत जानकारी जैसे आधार कार्ड नम्बर, पेनकार्ड नम्बर, डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड, बैंक विवरण एवं ओटीपी के बारे में जानकारी प्राप्त कर घटना को अंजाम दिया जाता है।

सायबर अपराध के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान डॉ. कपूर द्वारा सायबर अपराध के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया गया। कार्यशाला में सम्मिलित व्यक्तियों द्वारा किये गये प्रश्नों समाधान डॉ. कपूर ने सहजता से किया। कार्यशाला में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दो कर्मचारियों को क्रमशः साक्षी एवं अनिवेश को डॉ. कपूर ने गोल्डन बैज प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यशाला के समापन पर विद्यादान फाउण्डेशन के प्रमुख राकेश सिंह भदौरिया एवं विनवे कंपनी के प्रमुख मनीष पाण्डे ने डॉ. कपूर को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र दिया। कार्यशाला के सफल संचालन में सहा. सेनानी श्रीमती नीति दंडोतिया, निरीक्षक श्रीमती पूनम राठौर व उनकी टीम के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने पूजा-अर्चना कर संभाला कृषि मंत्रालय का पद, निरीक्षण कर कर्मचारियों से की चर्चा

राजनीति हमारे लिए कर्मकांड नहीं सेवा का माध्यम है : शिवराज

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली में मंगलवार को कृषि मंत्रालय में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के बाद कृषि मंत्रालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंत्रालय के लिफ्ट मैन, पीयून, क्लर्क स्तर के कर्मचारियों से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि मंत्रालय में मौजूद सभी सफाई कर्मी, प्यून हमारे साथी है और हमारे लिए महत्वपूर्ण है। शिवराज ने कंट्रोल एंड कमांड सेंटर, मिनिस्ट्री ऑफ एग्रीकल्चर की विजट कर महत्वपूर्ण जानकारी ली। कमांड सेंटर में देश के विभिन्न राज्यों की वर्तमान में फसल की स्थिति, क्रॉप वेदर की स्थिति, वर्षा की स्थिति, कम वर्षा या ड्राट एरिया की जानकारी सहित विभिन्न फसलों की जानकारी प्राप्त की।

मोदी की गारंटी का संकल्प पत्र सौंपा

शिवराज ने अधिकारियों को प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी का संकल्प पत्र सौंपा। संकल्प पत्र देने के बाद चौहान ने कृषि विभाग की टीम को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मैं यह अंतरात्मा से कह रहा हूं कि काम मेरे लिए पूजा है, दिन रात मिलकर काम करेंगे। राजनीति हमारे लिए कर्मकांड नहीं, सेवा का माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज मैं मोदी जी की गारंटी का संकल्प पत्र आपको सौंप रहा हूं, इसे हर हाल में हमें पूरा करना है। एक एक क्षण का उपयोग करना है। मोदी जी विजनरी लीडर है, उनके मार्गदर्शन में संकल्प पत्र में दिए कार्यों को समय के साथ पूरा करने के रोडमैप पर काम करें।

अन्न दाता की जिंदगी बदलना हमारा मिशन है शिवराज ने मंत्रालय के अधिकारियों से कहा कि यह आपका सौभाग्य है कि आप सब देश के लिए महत्वपूर्ण काम कर रहे है। देश का भविष्य और भाग्य बदलने का काम आप कर रहे है। भारत कृषि क्षेत्र में अद्भुत काम कर रहा है, इसे और बेहतर करना है, अपनी पूरी क्षमताओं के साथ काम करना है। काम कोई एक या तीन मंत्री नहीं करते, पूरी टीम मिलकर काम करती है, कमिटमेंट के साथ करती है। हमारे विभाग का नाम कृषि के साथ किसान कल्याण है, मतलब अन्नदाता का कल्याण, उनकी जिंदगी बदलना ही हमारा मिशन है।

सब चीजें समझे बिना दिल्ली नहीं छोड़ूगा

कृषि मंत्री ने कहा कि हमें अपनी टीम के हर सदस्य की टीम के टेलेंट का सर्वोच्च उपयोग करना है। जो अनुभवी हैं, विशेषज्ञ हैं उनका मार्गदर्शन लेना है। हम करोड़ों करोड़ लोगों के लिए काम कर रहे हैं, पूरी तरह से पारदर्शी व्यवस्था रहे, यह मैं पहले दिन से कह रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैं आपका सर्वश्रेष्ठ चाहता हूं, मैं सब चीजें समझे बिना दिल्ली नहीं छोड़ूगा। पूरी जानकारी चाहिए। भले ही प्रेजेंटेशन दो घंटे नहीं, चार छह घंटे चले लेकिन मुझे पूरी जानकारी चाहिए, मैं आज देर शाम तक मंत्रालय में ही बैठके करूंगा ।

सीएम ले रहे थे बैठक, मंत्रालय के चौथे माले में लगी आग

एसी में ब्लास्ट होने के बाद मचा हड़कंप, आसपास के कर्मचारी भी निकलकर बाहर आए

भोपाल। मंत्रालय के पुराने भवन की चौथी मंजिल पर स्थित आईएएस शैलबाला मार्टिन के कक्ष में लगे एसी में सुधार करते समय मंगलवार को अचानक ब्लॉस्ट हो गया। ब्लास्ट होने के बाद एसी के बाहर लगी मशीन में आग लग गई। आग लगते ही हड़कंप मच गया और उस कक्ष के अलावा आसपास के कई अन्य कक्षों के कर्मचारी निकलकर बाहर आ गए। यह घटना शाम को उस समय हुई, जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बजट और विकास कार्यों को लेकर प्रदेश के सभी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। बैठक में प्रदेश के कई मंत्री भी उपस्थित थे। उक्त बैठक में प्रदेशभर के कलेक्टर्स, संभागायुक्त और सांसद-विधायक वर्चुअली जुड़े हुए थे। आग लगने के बाद तेज आवाज के साथ ब्लास्ट हुआ तो अधिकारी भी चौक गए। आनन-फानन में दमकल कर्मियों की मदद से आग पर काबू पाया जा सका। कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पाए जाने के कारण बड़ हादसा टल गया, नहीं तो बड़ी आगजनी हो सकती थी। आग पर काबू पाए जाने के बाद लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव डीपी आहूजा भी मौके पर पहुंचे और निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक सावधानी बरतने निर्देश भी दिए हैं।

दो माह पहले लगी थी भीषण आग आज से करीब दो माह पहले मार्च के महीने में मंत्रालय के पुराने भवन की पांचवीं मंजिल पर भीषण आग लग गई थी। आज से पांचवीं मंजिल के साथ छत पर टीन शेड बनाकर रखे गए पुराने दस्तावेज और कबाड़ फर्नीचर जलकर खाक हो गया था। उस आगजने में सीएम स्वेच्छानुदान, विमानन सहित कई महत्वूर्ण विभागों और योजनाओं के दस्तावेज खाक हुए थे। कांग्रेस ने आरोप भी लगाए थे। इस मामले में अधिकारियों की समिति बनाकर जांच कराने के बाद अब मेंटेनेंस कराया जा रहा है।

यूथ कांग्रेस की कार्रवाई शुरू, बैठक में नहीं पहुंचने वाले पदाधिकारियों को किया मुक्त

भोपाल। लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद यूथ कांग्रेस एक्शन मूड में आ गई है। सोमवार को पीसीसी में आयोजित बैठक में नहीं पहुंचने वाले अधिकारियों को पद से मुक्त कर दिया गया है। बैठक में तय किया गया है कि युवा कांग्रेस के पदाधिकारी घर-घर जाकर सरकार की योजनाओं के बारे में पूछेंगे और पता करेंगे कौन सी योजना पूरी हुई कौन सी नहीं, इसके लिए एक कार्यक्रम भी लॉन्च किया गया है, जिसको नाम दिया गया है क्या हुआ तेरा वादा। कार्यकारिणी की बैठक में मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी मप्र कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे, पूर्व विधायक कुणाल चौधरी, युवा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष मितेन्द्र दर्शन सिंह, युकां राष्ट्रीय सचिव शेष नारायण ओझा, युवा कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष विवेक त्रिपाठी समेत प्रदेश भर से आए युवा कांग्रेस के प्रदेश पदाधिकारी एवं जिलाध्यक्ष उपस्थित रहे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक में उपस्थित हुए।

थाने के सामने ही ग्राहकों को बेच रहे थे गांजा, तीन गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच की 18 पुलिस कर्मियों की टीम ने पकड़ा दो किलो गांजा, चार थानों की पुलिस को नहीं थी लगने दी भनक

भोपाल। राजधानी की क्राइम ब्रांच ने मंगलवार को तीन मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से दो किग्रा गांजा बरामद किया। इस तस्करों को गिरफ्तार करने के लिए 18 पुलिस कर्मियों की टीम लगी हुई थी। मजेदार बात यह है कि गोविंदपुरा थाने के सामने ही माल की डिलीवरी की जा रही थी और गिरफ्तार एक आरोपित का पुराना आपराधिक रिकार्ड है। तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआइआर दर्ज कर ली है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक आनंद नगर चौकी के पीछे थाना पिपलानी निवासी 20 वर्षीय सौरभ वंशकार,शिव नगर आनंद नगर थाना पिपलानी निवासी 22 वर्षीय अखिल चौधरी ,गादियापुरा आनंद नगर थाना पिपलानी निवासी 20 वर्षीय राज पाटिल को दो किग्रा गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया है। थाने लाकर उनकी तलाशी लेने पर उनके पास से दो किग्रा गांजा बरामद हुआ है।

एक आरोपी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड क्राइम ब्रांच ने गांजा बेचते आरोपियों को गोविंदपुरा थाने के सामने भेल दशहरा मैदान से गिरफ्तार किया गया है। वह गांजा थाने के सामने ही ग्राहकों को डिलीवरी दे रहे थे। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीम ने उन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया है। गिरफ्तार एक आरोपित का पुराना आपराधिक रिकार्ड है, इसमें अखिल चौधरी पर अपहरण और दुष्कर्म का मामला 2021 में बिलखिरिया थाने में दर्ज है। पिपलानी में अवैध हथियार के साथ पकड़ा गया था। जबकि बाकी दोनों का आपराधिक रिकार्ड खंगाला जा रहा है।

बारिश से पहले हटेगा नालों और पुलों पर पसरा अतिक्रमण

संभागायुक्त ने प्रत्येक टीम के आपसी समन्वय और प्रशिक्षण के दिए निर्देश

बाढ़ से निपटने की गई तैयारियों को लेकर की समीक्षा

भोपाल। संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर नदी-नालों और जल भराव वाले सभी क्षेत्रों सहित पुल-पुलियों और बसाहट में हुए अतिक्रमण की पहचान कर उसे हटाने की कार्रवाई शुरू करें। इसके साथ ही नालों और नालियों की साफ-सफाई प्रमुखता से की जाए। सभी जिलों में बाढ़ नियंत्रण कक्ष सक्रिय रहें और प्रत्येक कार्य के लिए अलग-अलग नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए त्वरित कार्रवाई के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। यह निर्देश संभागायुक्त डा. पवन कुमार शर्मा ने मंगलवार को भोपाल और नर्मदापुरम संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों को दिए हैं। वह बाढ़ से निपटने के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि जिले में बाढ़ नियंत्रण कक्ष सक्रिय कर दिया गया है साथ ही संभावित जलभराव वाले स्थानों को चिह्नित कर लिया गया है। नालों की सफाई का कार्य पूर्व से ही चल रहा है। जलभराव की समस्या से निपटने सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। संभागायुक्त ने कहा कि बाढ़ राहत और बचाव के लिए आवश्यकतानुसार अलग-अलग दल बनाकर हर जिले में वाट्सएप समूह भी बनाने के लिए कहा है। उन्होंने बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य अमले, खाद्यान्न आदि की व्यवस्था के साथ अस्थायी आश्रय स्थलों का अभी से चयन करने के लिए कहा है। उन्होंने प्रत्येक टीम के आपसी समन्वय और प्रशिक्षण के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पुलिस, राजस्व, नगर निगम और नगर पालिका,जल संसाधन, लोक निर्माण, आपदा प्रबंधन आदि विभागों को तत्काल प्लान बनाकर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।सभी कलेक्टर अपने-अपने जिलों के जलाशयों की स्थिति का आकलन कर लें और अतिवर्षा की स्थिति में जलाशयों से पानी छोड़ने की विस्तृत और समयबद्ध रणनीति बनाएं। अचानक पानी छोड़ने की स्थिति नहीं आना चाहिए और डेम की लगातार मानीटरिंग कर ऐसी प्लानिंग होना चाहिए कि बाढ़ की स्थिति ही पैदा नहीं हो। उन्होंने हर डेम के लिए अलग-अलग नोडल अधिकारी बनाने के लिए भी कहा है।

भोपाल से 26 जून को होगा रवाना अमरनाथ यात्रियों का पहला जत्था

स्वास्थ्य जांच के बाद मिलेगी यात्रा की अनुमति, पहले जत्थे में जाएंगे 300 श्रद्धालु

भोपाल। राजधानी भोपाल से अमरनाथ यात्रा करने के लिए श्रद्धालुओं का पहला जत्था 26 जून को रवाना होगा। इसमें 300 यात्री शामिल होंगे। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल के नेतृत्व में पहले जत्थे में शामिल सभी यात्रियों का भोपाल रेलवे स्टेशन पर फूल माला पहनाकर स्वागत किया जाएगा। यात्री 29 जून से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा करेंगे। अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले सभी यात्रियों का एक-एक करके डाक्टरों की टीम स्वास्थ्य परीक्षण करेगी। जांच में सही मिले लोगों को यात्रा पर जाने की अनुमति दी जाएगी।

ओम शिवशक्ति सेवा मंडल की ओर से अमरनाथ यात्रा पर भेजने के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंडल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि यात्रा संबंधी मार्ग, कठिनाइयां सहित अन्य बातें बताई गई हैं, ताकि यात्रा करने वाले लोगों को परेशानी न हो और बफार्नी बाबा के दर्शन आसानी से हो सकें। मंडल के पदाधिकारी भी जत्थे के साथ जाएंगे, जिन्हें अमरनाथ यात्रा करने का वर्षों से अनुभव है। इस बार अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीयन कराने वालों की संख्या में 15 हजार से अधिक पहुंच गई है। आनलाइन व आफलाइन पंजीयन 15 हजार हो चुके हैं। ये यात्री अलग-अलग तारीख पर यात्रा करेंगे। मंडल की ओर से 29 जून से 19 अगस्त तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा के लिए 15 जत्थे रवाना किए जाएंगे। इनमें 300, 200, 100 यात्रियों के जत्थे शामिल होंगे। इसके अलावा अन्य यात्री भी अपने हिसाब से अमरनाथ यात्रा पर जाएंगे।

बदली यात्रियों के लिए ठहरने की व्यवस्था ओम शिव सेवा मंडल की ओर से जम्मू में संत रविदास मंदिर प्रांगण में यात्रियों के लिए ठहरने व भोजन की व्यवस्था हर वर्ष की जाती थी। इस बार जम्मू में लगने वाले भंडारा बालटाल व चंदनवाड़ी में शिफ्ट किया गया है। वहीं यात्रियों को रात्रि में विश्राम जम्मू स्टेशन के पास वैष्णवी धाम व कालिका धाम में कराया जाएगा। इस दौरान मंडल के पदाधिकारी यात्रियों की व्यवस्था में मौजूद रहेंगे।

प्रदेश के युवाओं को मिलेगा प्रतिभा दिखाने का प्लेटफॉर्म, सिंधिया कप की शुरुआत

आईपीएल की तरह 15 जून से शुरू होगा एमपीएल

भोपाल। मध्य प्रदेश में आईपीएल की तर्ज पर मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग की शुरूआत होने जा रही है। इसमें प्रदेश के युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। एमपीएल सिंधिया कप 15 जून से 23 जून के बीच होगा। इसके मैच ग्वालियर में खेले जाएंगे। एमपीएल के चेयरमैन केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे महाआर्यमन सिंधिया है। सोमवार को महाआर्यमन सिंधिया एमपीएल की सेरेमनी में शामिल हुए। इस कार्यक्रम के संबोधन में उन्होंने कहा कि मेरा नहीं मेरे दादाजी का विजन था। वो हमेशा चाहते थे कि प्रदेश में एक लीग हो, जिससे हमारे प्रदेश के खिलाड़ियों को एक मंच मिले। उनको रोजगार मिले और अनुभव के साथ ही अपनी प्रतिभा को दिखाने का प्लेटफॉर्म मिले।

महाआर्यमन सिंधिया ने कहा कि इसे ही मैंने अपना लक्ष्य बनाया। इस लीग से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला है। उन्होंने कहा कि अब हमारे मध्य प्रदेश की आईपीएल टीम होंगी। मुझे आशा है कि इस साल हम बहुत सफल होंगे। महाआर्यमन ने कहा कि मेरा उद्देश्य खेल है, क्रिकेट है। पिता जी के आदेश के पालन भी है। उन्होंने कहा कि एमपीएल के आयोजन से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ देश के लिए खेलने का मौका मिलेगा। एमपीएल में पांच टीमें हिस्सा लेगी। इसमें भोपाल लेपर्ड, ग्वालियर चीता, जबलपुर लायंस, मालवा पैंथर और रीवा जगुआर है। इसके सभी मैच ग्वालियर में आयोजित किए जाएंगे।

साम्पदकीय

खेती को आर्थिक के साथ सियासी लाभ का धंधा बनाने की चुनौती-शिवराज सिंह चौहान

मोदी 3.0 मंत्रिमंडल को लेकर पूरे देश और खासकर मप्र की निगाहें इस बात पर लगी थीं कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को केन्द्रीय मंत्रिमंडल में लिया जाता है या नहीं और लिया जाता है तो मंत्रिमंडल में उनकी हैसियत क्या होगी, उन्हें कौन सा विभाग मिलेगा। ज्यादातर प्रेक्षकों का अंदाज था कि शिवराज को वो कृषि मंत्रालय मिलना चाहिए, जिसका शिवराज को काफी हद तक विशेषज्ञ और फार्मर माना जाता है। वही हुआ भी, पीएम मोदी ने शिवराज सिंह चौहान को तीन लाख करोड़ रू. से भी ज्यादा बजट वाले कृषि मंत्रालय का जिम्मा सौंपा। साथ में ग्रामीण विकास विभाग भी दिया। लेकिन शिवराज के लिए कृषि का मामला केवल बजट के हिसाब से ही बड़ा नहीं है बल्कि यह आज की तारीख में सबसे ज्यादा चुनौती भरा विभाग है, जिसमें किसानों की समस्याएं सुलझाने के साथ-साथ पार्टी के राजनीतिक हित भी जुड़े हुए हैं। यानी खेती सिर्फ आर्थिक लाभ का ही धंधा न होकर भाजपा के लिए राजनीतिक लाभ का धंधा कैसे बने, यह सवाल है। विशेषकर देश के तीन राज्यों पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तथा आंशिक रूप से राजस्थान भी शामिल है, में पूर्व में वापस हुए तीन कृषि कानूनो और किसानो के संदर्भ में मोदी सरकार की अब तक की नीतियों को लेकर गहरा असंतोष रहा है। इसी का नतीजा था कि लोकसभा चुनाव में इन राज्यों में किसानों ने भाजपा को तगड़ा झटका दे दिया। क्योंकि किसानो के मामले में सरकार की 'एकला चलो' की नीति फेल हो चुकी है। किसानों की मांगों और दिक्कतों को समझकर तदनुसार कोई सर्वमान्य हल ढूंढना और वो भी क्रेडिट अपने खाते में लिखवाए बगैर करना, शिवराजजी के समक्ष बड़ी चुनौती है। किसान आंदोलन को डील करने के मामले में उनके पूर्ववर्ती कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर को अपेक्षित सफलता नहीं मिली थी। सरकार और किसानों के बीच अपेक्षित संवाद की कमी भी इसका एक कारण थी। तीनो कृषि कानून, जिन्हें मोदीजी को वापस लेना पड़ा, लाने से पहले उन पर व्यापक बहस कराना और जनमत जानना जरूरी नही समझा गया था। क्या इस रवैए में अब कोई बदलाव दिखेगा या नहीं, यह देखने की बात है। यह सवाल इसलिए भी है, क्योंकि शिवराज के पास पब्लिक कनेक्ट की कला है। वो अगर चाहें और उन्हें वैसा करने की आजादी मिले तो वो किसानों की नाराजी का वो कोई बहुमान्य हल ढूंढ सकते हैं।

शिवराज और उनके पूर्ववर्ती केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर में एक बुनियादी अंतर यह है कि तोमर मूलत- शहरी पृष्ठभूमि से आते हैं, जबकि शिवराज पूरी तरह किसानी और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं। लिहाजा किसानों की दिक्कतों और अपेक्षाओं को बेहतर ढंग से समझते हैं। मप्र का मुख्यमंत्री बनने के बाद ही उन्होंने घोषणा कर दी थी कि उनकी पहली प्राथमिकता खेती को लाभ का धंधा बनाने की है। इस दिशा में उन्होंने उन्होंने अपने शुरू के तीनो कार्यकालों में काफी काम किया। प्रदेश की कृषि जीडीपी 2005-06 से 2022-23 तक औसतन प्रति 7त्न बढ़ी, जो दशक के लिए राष्ट्रीय औसत 3.8त्न से अधिक रही। शिवराज के मुख्यमंत्री रहते एमपी को कृषि उत्पादन तथा योजना संचालन के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए सात बार कृषि कर्मण अवॉर्ड मिले। यही नहीं मप्र सिंचाई क्षमता भी 6 गुना बढ़कर 43 लाख हेक्टेयर हो गई। किसानों की फसल के समर्थन मूल्य पर खरीदी पर बोनस की योजना शुरू हुई। इस योजना का फायदा प्रदेश के 80त्न से ज्यादा किसानों को मिला। किसानों का आपदा के समय बेहतर मुआवजा मिला। उन्हीं के नेतृत्व में प्रदेश को सात बार कृषि कर्मण अवॉर्ड मिले हैं। इसी के साथ प्रदेश नई समस्या से भी जूझ रहा है, वो है कृषि उत्पादन में भारी बढ़ोतरी के अनुपात में अनाज भंडारण की अपर्याप्त व्यवस्था और स्थानीय उपज के लिए समुचित खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की कमी। शिवराज इन समस्याओंसे भली भांति वाकिफ हैं। उम्मीद है कि वो मप्र की इन दिक्कतों को भी हल करेंगे। यही कारण था कि दिल्ली में लंबे चले किसान आंदोलन में मप्र के किसानों की भागीदारी नहीं के बराबर थी। अलबत्ता शिवराज के कार्यकाल पर काले टीके के रूप में मंदसौर में एमएसपी को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों पर पुलिस की गोली से चार किसानों की मौत जरूर दर्ज है। मोदी सरकार 2020 में अपने दूसरे कार्यकाल में तीन कृषि कानून लेकर आई थी। संसद में इस बिल के पास होते ही उत्तरी राज्यों के किसान सड़कों पर उतर आए। इस असंतोष को हवा देने में कुछ राजनीतिक दलों और स्वयंसेवी संगठनों की भी बड़ी भूमिका थी। बावजूद इसके यह भी सच था कि किसानों की आंशकाओं का कोई ठोस और संतोषजनक जवाब सरकार इस बिल को लाते समय नहीं दे पाई थी। मोदी सरकार द्वारा जो तीन कृषि कानून लाए गए थे, उनमें पहला था- आवश्यक वस्तु (संशोधन) कानून- इस कानून में अनाज, दलहन, तिलहन, खाद्य तेल, प्याज आलू को आवश्यक वस्तुओं की सूची से हटाने का प्रावधान किया गया था ताकि बाजार में प्रतिस्पर्द्धा बढ़े। किसानों को उपज का बेहतर मूल्य मिले। दूसरा था- कृषि उत्पादन व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) कानून- इसके तहत किसान कृषि मंडी के बाहर भी अपनी उपज बेच सकते थे। इसके लिए किसानों व खरीदारों को कोई शुल्क नहीं देना था। तीसरा था- कृषक (सशक्तिकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार कानून- इस कानून का मुख्य उद्देश्य किसानों को उनकी फसल की निश्चित कीमत दिलवाना था। इसके तहत कोई किसान फसल उगाने से पहले ही किसी व्यापारी से समझौता कर सकता था। किसान को फसल की डिलिवरी के समय ही दो तिहाई राशि का भुगतान किया जाता और बाकी पैसा 30 दिन में देना होता। अगर एक पक्ष समझौते को तोड़ता तो उस पर जुर्माना लगाया जाता। लेकिन इन कानूनों के प्रावधानों से तीनो राज्यों के किसान खुश नहीं थे। वो चाहते थे कि सरकार उनकी सारी उपज एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर ही खरीदे। यह एमएसपी भी स्वामीनाथन (जिन्हें सरकार ने इस साल भारत रत्न दिया) आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक हो तथा सरकार एमएसपी की केवल घोषणा ही नहीं करे बल्कि इसकी कानूनी गारंटी भी दे। वर्तमान में भारत सरकार कुल 23 फसलों पर एमएसपी देती है। किसान आंदोलन के दौरान बताया जाता है कि सरकार चुनिंदा फसलों पर एमएसपी की गारंटी देने को तैयार भी हो गई थी, लेकिन आंदोलनकारी किसान इस पर सहमत नहीं थे। दूसरी आशंका कारपोरेट फार्मिंग को मंजूरी मिलने पर किसान हितों की रक्षा की कमजोर व्यवस्था थी। डर था कि फसल खराब होने पर किसान अपनी जमीन भी कारपोरेट के हाथों गंवा सकता है। इन्हीं के चलते दिल्ली की सीमा पर लगभग साल भर तक किसान आंदोलन चला, जो अंतत- पीएम मोदी द्वारा इन कानूनों की वापसी के बाद कमजोर पड़ा। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि कृषि सुधार कानून लाने के पीछे मकसद सही था, लेकिन तरीका गलत था। कृषि कानून वापसी के दांव का फायदा बीजेपी को 2022 में यूपी के विधानसभा चुनाव में मिला। लेकिन किसानों की मांगों का कोई हल नहीं हुआ। सरकार सभी फसलों परएमएसपी की कानूनी गारंटी देने को तैयार नहीं है। उसका मानना है कि ऐसा किया गया तो सरकार पर सभी फसले खरीदने पर असहनीय आर्थिक बोझ बढ़ेगा। दूसरे, कच्चा माल महंगा होने पर सभी खाद्य वस्तुएं भी महंगी होंगी, जिससे आम उपभोक्ता खासकर मध्यम व निम्न वर्ग की नाराजी का सामना सरकार को करना पड़ेगा। न सिर्फ मध्यम व निम्न वर्ग खुद किसान को भी परेशानी हो सकती है, क्योंकि वह कतिपय फसलों का उत्पादक भले हो, लेकिन बाकी चीजों का तो उपभोक्ता ही है। खेती के मामले में अब एक और नई बड़ी चुनौती बार-बार बदलते मौसम की भी है। मौसम के बदले मिजाज से अच्छी भली फसल पर ऐन वक्त पर पानी फिर जाता है और किसान के सामने माथा पकड़ने के अलावा कुछ नहीं रह जाता। खराब या दागी फसल ठीक से बिक भी नहीं पातीं। अब नए देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह के सामने बड़ी चुनौती नाराज किसानों के सामने कोई सर्वमान्य हल पेश करने की होगी। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश ऐसे इलाके हैं, जहां फसलों की एमएसपी पर सर्वाधिक खरीदी होती है।

बाजार तो ऐसे ही चलता है, इसलिए जरूरी है दीर्घकालीन द्रष्टिकोण

शेयर बाजारों में निवेश करना कमजोर दिलवालों का काम नहीं है, खासकर तब, जब बाजार अस्थिर हो। जब बाजार एक ही दिन या छोटी अवधि में ऊपर-नीचे होता रहता है, तो इसका मतलब है कि बाजार अस्थिर है। जाहिर है, एक आम निवेशक इस अस्थिरता को चिंता का कारण मान सकता है, लेकिन ऐसा होना नहीं चाहिए, क्योंकि जिस तरह हमारे दिल की धड़कन ऊपर-नीचे होती रहती है, जो हमें जीवित रखती है, उसी तरह शेयर बाजार के सूचकांक शेयर बाजार को गतिमान रखने के लिए ऊपर-नीचे होते रहते हैं। इस अर्थ में, यदि बाजार का सूचकांक सपाट यानी स्थिर है, तो इसका मतलब है कि यह यानी बाजार मरा हुआ है, ठीक उसी तरह, जैसे दिल की धड़कन रुकने पर कोई व्यक्ति मर जाता है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के कई कारक होते हैं, जिनमें स्थानीय एवं वैश्विक समाचार से लेकर राजनीतिक नतीजे, व्यापार चक्र और डर इत्यादि शामिल रहते हैं। फिर भी कुछ ऐसी घटनाएं होती हैं, जिनके कारण शेयर बाजार चरम स्थिति में पहुंच जाता है। विगत चार जून को जब लोकसभा चुनाव के परिणाम आने शुरू हुए थे, तब जिस तरह की चरम स्थितियां देखी गई थीं, वैसी घटना हाल के समय में वर्ष 2021 में कोविड लॉकडाउन की घोषणा के समय देखी गई थी। उस दिन यानी चार जून को, एस ऐंड पी बीएसई सेंसेक्स में 4,000 से अधिक अंकों और लगभग छह फीसदी की भारी गिरावट देखी गई, जो अभूतपूर्व थी। ऐसा लग रहा था, मानो घरेलू और विदेशी, दोनों निवेशक भारतीय बाजारों से बाहर निकलना चाहते थे। चुनाव परिणाम के दिन भारतीय शेयर बाजार में आई गिरावट पर बात करने से पहले हमें विगत 19 मई की ओर लौटना चाहिए, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक टेलीविजन चैनल से बात करते हुए कहा था कि चार जून को शेयर बाजार रिकॉर्ड तोड़ देगा। ऐसा नहीं है कि सिर्फ उन्होंने ही ऐसा कहा था, बल्कि लोकसभा चुनाव के विभिन्न चरणों के दौरान उनके मंत्रिमंडल के कई प्रमुख सदस्यों ने इस तरह की टिप्पणी की थी। सत्तारूढ़ पार्टी के इस आत्मविश्वास को निवेशकों ने बाजार में निवेश करने के संकेत के रूप में समझा। नतीजतन मई के अधिकांश दिनों में, चुनावों के अंतिम चरण तक बीएसई सेंसेक्स ज्यादातर दिनों में बढ़ता ही रहा।

इसे इस बात का संकेत माना गया कि बाजार सरकार की वापसी और उसकी नीतियों की निरंतरता में यकीन रखती है। बाजार के लिए जनता के मूड से संकेत लेना और भी दिलचस्प हो गया, क्योंकि एक जून को आए एग्जिट पोल में भाजपा की स्पष्ट और बड़ी जीत की भविष्यवाणी की गई थी। स्वाभाविक रूप से तीन जून को जब बाजार खुले, तो बाजार में भारी खरीदारी देखी गई। एग्जिट पोल के नतीजों के बाद सेंसेक्स में 2,600 अंकों की बढ़ोतरी देखी गई। दरअसल, तीन जून को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 6,851 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने, जिनमें बैंक, बीमा कंपनियां, म्यूचुअल फंड और अन्य भारतीय संस्थान शामिल हैं, 1,914 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। हालांकि अगले ही दिन जब मतगणना शुरू हुई, तो चीजें उम्मीद के मुताबिक नहीं हुईं, खासकर शुरुआती रुझानों में। सरकार गठन को लेकर निवेशकों की चिंता के कारण शेयर बाजार के सेंसेक्स में दिन भर उतार-चढ़ाव देखा गया और यह 4,300 अंक से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुआ। विदेशी निवेशकों ने करीब 1.5 अरब डॉलर के भारतीय शेयर बेचे, जबकि घरेलू निवेशकों ने भी 3,300 करोड़ रुपये से अधिक की बिकवाली की।

बहुत से ऐसे सट्टेबाज थे, जिन्होंने सिर्फ ट्रेंड्स और सुनी गई खबरों के आधार पर ही बाजार में अपना पैसा लगाया था। यह भी संभव है कि इनमें कुछ नए निवेशक भी हों, जो बाजार के जोखिमों को नहीं समझते हों और सिर्फ अटकलों पर ही भरोसा करते हों। उन्होंने भी पैसे गंवाए, क्योंकि उन्होंने बाजार में गिरावट शुरू होते ही डर के मारे अपने पैसे निकाल लिए। अब एक ही दिन में 30 लाख करोड़ रुपये के नुकसान का आंकड़ा बताया जा रहा है। यह जरूरी नहीं कि इनमें से सारा पैसा निवेशकों का ही हो, क्योंकि नुकसान उठाने वालों में कई व्यापारी भी थे, जो बाजार के खिलाफ दांव लगाकर पैसे बनाने के लिए जाने जाते हैं। अन्य चर्चाओं के विपरीत, शेयर बाजार हर दिन को अलग-अलग तरह से देखता है, लेकिन यह भविष्य की संभावनाओं पर भी निगाहें रखता है। इसलिए बाजार की चाल से अवगत होने के कुछ ही दिनों के भीतर सेंसेक्स न केवल चार जून की गिरावट से उबर गया है, बल्कि यह तीन जून के उच्चतम स्तर को भी पार कर गया है। असल में इसने 10 जून को एक नई ऊंचाई को छुआ और उम्मीद है कि भविष्य में यह और आगे जाएगा। निवेशकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे बाजार के दीर्घकालीन दृष्टिकोण को ध्यान में रखें और बाजार में निवेश करना जारी रखें। शेयर बाजार में अल्पावधि में उतार-चढ़ाव तो होंगे, लेकिन ये सभी निवेश का हिस्सा हैं। एक निवेशक के तौर पर आपको इस बात का पता होना चाहिए कि अल्पावधि में बाजार कैसे काम करता है और दीर्घकाल में यह निवेशकों को कैसे फायदा पहुंचाता है। जिस तरह से गर्मी से बचने की तैयारी के लिए बाहर के तापमान के बारे में जानकारी होनी चाहिए, उसी तरह से निवेश करने वाले व्यक्ति या संस्थाओं के लिए बाजार की चाल से अवगत होना जरूरी है। आपको उन कारकों के बारे में पता होना चाहिए, जो शेयर बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं।

जैसे को तैसा: चीन को उसी की भाषा में जवाब देगा भारत, बदले जाएंगे तिब्बत के 30 स्थानों के नाम

भारत ने अरुणाचल प्रदेश में स्थानों के नाम बदलने के चीनी कदम का जवाब देने के लिए जैसे को तैसा अभियान चलाया है, यानी भारत भी तिब्बत के 30 स्थानों के नाम बदलेगा। चीन द्वारा भारतीय क्षेत्रों के नाम बदलने को लेकर नई दिल्ली को संदेह है कि बीजिंग ने पूर्वोत्तर भारत के सबसे बड़े राय अरुणाचल प्रदेश पर अपनी मजबूत दावेदारी दिखाने के लिए ऐसा किया है। भारतीय सेना का सूचना युद्ध प्रभाग इस अभियान का नेतृत्व कर रहा है, जिसे कोलकाता स्थित ब्रिटिशकालीन एशियाटिक सोसाइटी जैसे प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों का समर्थन प्राप्त है। सेना ने अपने लोगो के साथ प्रसारित विस्तृत ट्वीट में अरुणाचल प्रदेश के सात स्थानों के नाम बदलने को चुनौती दी है और चीन द्वारा जिन 30 स्थानों के नाम बदले गए, उनके विरोध का प्रयास कर रही है। अब उन्होंने तिब्बत के 30 स्थानों की एक सूची को भी अंतिम रूप दे दिया है, तथा ऐतिहासिक अभिलेखों से भारतीय भाषाओं में उनके प्राचीन नामों को पुनः प्राप्त किया है। इन पंक्तियों के लेखक के पास यह सूची उपलब्ध है, जो मीडिया के जरिये सार्वजनिक की जाएगी। यह भारत के अरुणाचल प्रदेश राय और विवादित सीमा के अन्य हिस्सों पर चीनी दावों के खिलाफ एक मजबूत जवाबी आख्यान प्रस्तुत करने के वैश्विक अभियान का हिस्सा है। अब चूंकि केंद्र में नई सरकार का गठन हो गया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार ने अपना कार्यभार संभाल लिया है। इसलिए चीन के स्वायत्त क्षेत्र तिब्बत के स्थानों का नाम बदलने का इस्तेमाल अरुणाचल प्रदेश पर चीनी दावे को खत्म करने के लिए बदले के तौर पर किया जाएगा। सैन्य अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि नए नाम व्यापक ऐतिहासिक शोध के आधार पर रखे जाएंगे।

पूर्व खुफिया ब्यूरो के अधिकारी बेनु घोष, जिन्होंने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर वर्षों काम किया है और जिन्हें पर्वतारोहण में भी दिलचस्पी है, कहते हैं, जब भी ऐसा होगा, यह भारत द्वारा तिब्बत के प्रश्न को फिर से उठाने की तरह होगा। जब से बीजिंग ने तिब्बत पर जबरन कब्जा किया है, तब से भारत ने इसे चीनी हिस्सा माना है, लेकिन अब मोदी सरकार चीनी मानचित्रण और नामकरण संबंधी आक्रामकता को कम करने के लिए अपना रुख बदलने को तैयार है। भारतीय सेना ने हाल के हफ्तों में इन विवादित सीमावर्ती क्षेत्रों में मीडिया के कई दौरे आयोजित करवाए हैं तथा मीडिया को उन स्थानीय लोगों से बात करने का मौका दिया है, जो चीनी दावों का कड़ा विरोध करते हुए कहते हैं कि वे हमेशा से भारत का हिस्सा थे। नाम का खुलासा नहीं करने की शर्त पर इस अभियान से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि भारत का अंतिम लक्ष्य क्षेत्रीय और वैश्विक मीडिया के माध्यम से विवादित सीमा पर भारत के जवाबी आख्यान को आगे बढ़ाना है, जो ठोस ऐतिहासिक शोध और स्थानीय निवासियों के जनमत पर आधारित है। गौरतलब है कि इसी वर्ष कुछ समय पूर्व अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा जताने के लिए चीन ने इस राय में एलएसी के पास के 30 स्थानों का नाम बदल दिया। हांगकांग स्थित एक दैनिक के अनुसार, प्रशासनिक प्रभागों की स्थापना और नामकरण के लिए जिम्मेदार चीनी असैन्य मामलों के मंत्रालय ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में मानकीकृत भौगोलिक नामों की चौथी सूची जारी की है, जिसे बीजिंग जंगनान कहता है। यह चौथी बार है, जब चीन ने अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का एकतरफा नामकरण किया है। इससे पहले उसने ऐसा वर्ष 2017, 2021 और 2023 में किया था। चीन द्वारा नाम बदले गए स्थानों की सूची में 11 आवासीय क्षेत्र, 12 पर्वतीय, चार नदियां, एक झील, एक पहाड़ी दर्रा और एक भूखंड है। इन नामों में चीनी, तिब्बती और पिनयिन अक्षर हैं, जो मंदारिन चीनी का रोमन वर्णमाला संस्करण है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने मंत्रालय के बयान को उद्धृत किया है, जो कहता है कि भौगोलिक नामों के प्रबंधन पर राय परिषद (चीनी मंत्रिमंडल) के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार, हमने संबंधित विभागों के साथ मिलकर चीन के जांगनान में कुछ भौगोलिक नामों को मानकीकृत किया है। बीजिंग ने वर्ष 2017 में अरुणाचल प्रदेश के छह स्थानों के कथित मानकीकृत नामों की पहली सूची जारी की थी, फिर वर्ष 2021 में 15 स्थानों की दूसरी सूची जारी की और उसके बाद वर्ष 2023 में 11 स्थानों के नामों की एक और सूची जारी की। भारत ने अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के चीनी कदम को बार-बार खारिज करते हुए कहा है कि अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग है और मनगढ़ंत नाम रखने से यह वास्तविकता नहीं बदल जाती। वर्ष 2023 में तत्कालीन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था, हमने ऐसी रिपोर्टें देखी हैं। यह पहली बार नहीं है, जब चीन ने ऐसा प्रयास किया हो। हम इसे सिरे से खारिज करते हैं। उन्होंने आगे कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाय अंग था, है और रहेगा। मनगढ़ंत नाम रखने की कोशिशें इस सचाई को नहीं बदल पाएंगी। अरुणाचल प्रदेश पर अपने दावों को पुष्ट करने के लिए चीनी बयानों की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अरुणाचल प्रदेश यात्रा पर भारत के समक्ष कूटनीतिक विरोध दर्ज कराने से हुई, जहां प्रधानमंत्री मोदी ने अरुणाचल प्रदेश में 13,000 फुट की ऊंचाई पर निर्मित सेला सुरंग को राष्ट्र को समर्पित किया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 23 मार्च को अरुणाचल प्रदेश पर चीन के बार-बार के दावे को हास्यास्पद बताते हुए कहा कि यह सीमावर्ती राय भारत का स्वाभाविक हिस्सा है। उन्होंने सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय दक्षिण एशियाई अध्ययन संस्थान में व्याख्यान देने के बाद अरुणाचल मुद्दे पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, यह कोई नया मुद्दा नहीं है। चीन के ये दावे शुरू से ही हास्यास्पद रहे हैं और आज भी हैं। इसलिए मुझे लगता है कि इस मामले में हम हमेशा से बहुत स्पष्ट और तार्किक रहे हैं। यह सीमा पर चल रही चर्चाओं का हिस्सा बनेगा। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत ने चीन को उसी की भाषा में जवाब देने का मन बना लिया है और जैसे को तैसा की रणनीति अपनाते हुए नाम बदलने के अभियान में शामिल हो गया है।

जहीर के साथ रजिस्टर्ड मैरिज करेंगी सोनाक्षी सिन्हा!

शादी के दिन शाम को देंगी रिसेप्शन पार्टी!

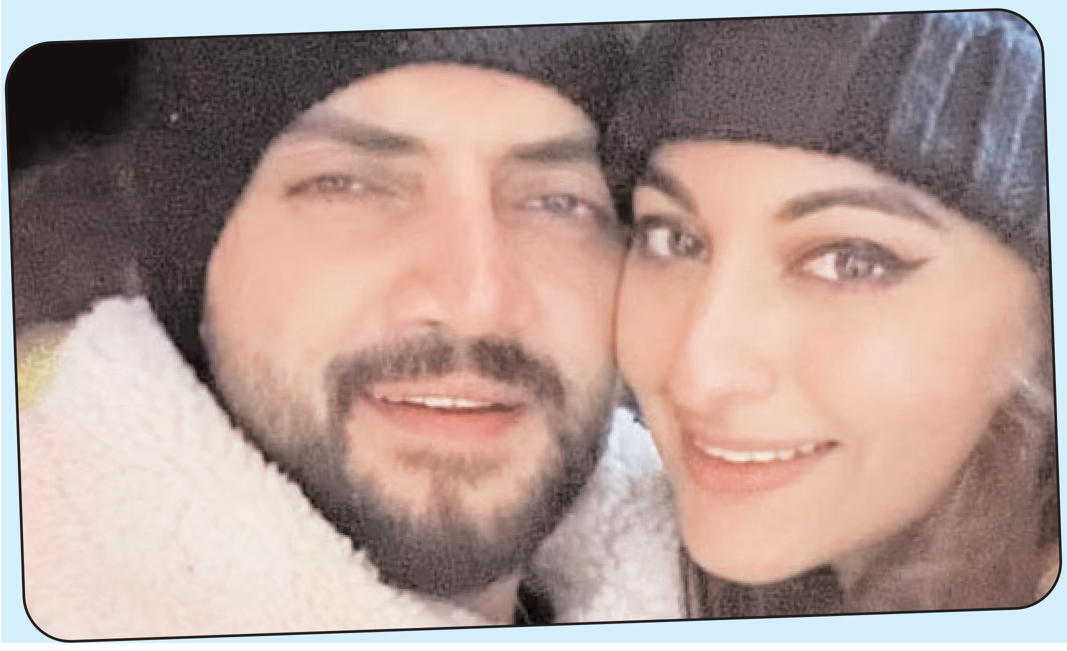

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी शादी को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोनाक्षी अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल के साथ मुंबई में 23 जून को शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। हालांकि, अभिनेत्री की तरफ से इन खबरों की पुष्टि नहीं हुई है। अब एक नई रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि सोनाक्षी और जहीर रजिस्टर्ड मैरिज करेंगे। उसके बाद 23 जून को शाम में रिसेप्शन पार्टी होगी, जिसमें तमाम बॉलीवुड हस्तियां शामिल होंगी।

सोनाक्षी सिन्हा की एक दोस्त ने एक बातचीत में बताया, %मुझे 23 जून की शाम को कपल के साथ जश्न मनाने का निमंत्रण मिला है। मगर वास्तविक शादी का कोई जिक्र नहीं है। मुझे जहां तक पता है, वे पहले ही रजिस्टर्ड मैरिज कर चुके हैं या फिर 23 जून की सुबह ऐसा कर सकते हैं। दोनों की कोई धूमधाम से शादी नहीं होने जा रही है, बस एक पार्टी होगी।

अभिनेत्री की शादी से जुड़ी फिलहाल अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। सोनाक्षी सिन्हा की शादी के बारे में उनके परिवार को भी कोई जानकारी नहीं है। हाल ही में उनके पिता, अभिनेता और राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि उन्हें बेटी की शादी के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, %मैं भी उतना ही जानता हूं जितना मीडिया में मैंने पढ़ा है, जब सोनाक्षी इस बारे में बताएंगी। मैं और मेरी पत्नी आशावार्द देने के लिए चले जाएंगे। हम हमेशा उनकी खुशियों की कामना करते हैं।

सक्रांति 2025 पर रिलीज के लिए लाइन में लगी हैं साउथ की ये फिल्में

लेकिन फंस सकता है पेंच

त्योहार के दिन फिल्मों को रिलीज करने का चलन कोई नया नहीं है। लगभग सभी बड़े त्योहारों पर किसी न किसी बड़े कलाकार की फिल्म रिलीज होती है। मकर सक्रांति भी ऐसा ही एक त्योहार है, जिस पर कई बड़ी फिल्में रिलीज होती है। मकर सक्रांति को आने में भले ही छह महीने हो, लेकिन इस दिन के लिए फिल्मों की रिलीज की लाइन लगना शुरू हो चुकी हैं।

सक्रांति 2025 पर रिलीज होगी रवि तेजा की 75वीं फिल्म कई बड़े निर्माता अपनी फिल्मों को मकर सक्रांति 2025 पर रिलीज करने की तैयार में जुट गए है। इसके लिए अभी से योजना बनाई जा रही है। आए दिन नई-नई फिल्मों का नाम इस सूची में शामिल होता जा रहा है। ताजा उदाहरण रवि तेजा की 75वीं फिल्म का है, जिसे भानु भोगवरपु डायरेरक्ट कर रहे हैं। निर्माताओं ने एलान किया है कि इसे संक्रांति 2025 पर रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा पहले भी कई फिल्मों को लेकर ऐसी ही घोषणा हो चुकी है।

संक्रांति 2025 पर देखने को मिलेंगी ये फिल्में मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेगा स्टार चिरंजीवी की फिल्म %विश्वम्भरा% संक्रांति 2025 पर ही देखने को मिलेगी। इसका निर्देशन मल्लीदी वशिष्ठ कर रहे हैं। दिग्गज अभिनेता अजित कुमार की फिल्म %गुड बैड अग्ली% भी इसी त्योहार पर रिलीज होने जा रही है। बालकृष्ण और बॉबी की फिल्म %शतमानम भवति 2% भी संक्रांति 2025 के लिए कतार में लगी हुई है। वेंकटेश और अनिल रविपुडी की नई फिल्म भी इसी दिन रिलीज की जाएगी। फिलहाल इस फिल्म का नाम तय नहीं हुआ है।

पीछे भी खिसक सकती हैं कुछ फिल्में संक्रांति 2025 पर रिलीज के लिए जिस हिसाब से फिल्मों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखकर लगता है कि कुछ फिल्मों की रिलीज की तारीख पीछे भी खिसक सकती हैं। ऐसे में देखना होगा कि किस कलाकार की फिल्म बाजी मारने में कामयाब हो पाएगी और किसकी फिल्म संक्रांति 2025 पर रिलीज होने से चूक जाएगी।

कार्तिक आर्यन ने जीवनसाथी को लेकर की खुलकर बात

बताया- कैसी होनी चाहिए उनकी लाइफ पार्टनर

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन अपनी आगामी फिल्म चंदू चैंपियन की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। अभिनेता अपनी फिल्मों के साथ-साथ लव लाइफ को लेकर भी काफी सुर्खियों में रहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लव आज कल की शूटिंग के दौरान उन्होंने कार्तिक आर्यन को डेट किया था। दोनों के ब्रेकअप के बाद उनका नाम जान्हवी कपूर के साथ जुड़ा था। कार्तिक ने हाल ही में अपनी अपनी निजी जिंदगी के बारे में खुलकर बात की और अपने आदर्श जीवनसाथी के बारे में बताया। कार्तिक आर्यन ने एक बातचीत में बताया कि वह अपनी लव पार्टनर में क्या गुण चाहते हैं। उन्होंने बताया, मुझे नहीं पता। यह अपने आप ही हो जाएगा। वो जो लिस्ट होती है न कि उनके साथ फ्रीक्वेंसी मैच हो जाए, वो फनी हो, ये सब अपने आप ही आ जाता है। कई बार वो लिस्ट चेंज ही हो जाती है। कुछ ऐसा होता नहीं है। उन्होंने आगे कहा, आप जब जीवन में पूर्णता की तलाश कर रहे होते हैं, तो मुझे लगता है कि खामियां इसे और भी खूबसूरत बना देती हैं। जीवन में साथी के मामले में, मेरे पास अभी कोई खासियत नहीं है। वो जीवन में कभी नहीं हो पाएगा। कार्तिक ने इस दौरान कहा, एक समय पर मेरी निजी जिंदगी काफी चर्चित विषय बन गई थी और तब से यह ऐसा ही है। उन्होंने आगे कहा, आप जब जीवन में पूर्णता की तलाश कर रहे होते हैं, तो मुझे लगता है कि खामियां इसे और भी खूबसूरत बना देती हैं। जीवन में साथी के मामले में, मेरे पास अभी कोई खासियत नहीं है। वो जीवन में कभी नहीं हो पाएगा। कार्तिक ने इस दौरान कहा, एक समय पर मेरी निजी जिंदगी काफी चर्चित विषय बन गई थी और तब से यह ऐसा ही है। कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म चंदू चैंपियन को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म के लिए अभिनेता ने खूब मेहनत की है। ये फिल्म 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का ट्रेलर और पोस्टर दर्शकों को पहले ही बहुत पसंद आए हैं। अभ उन्हें इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

लोगों का प्यार देख भावुक हुए अभिनेता आकाश, अपना अड्डा में मैं लड़ेगा की खास स्क्रीनिंग

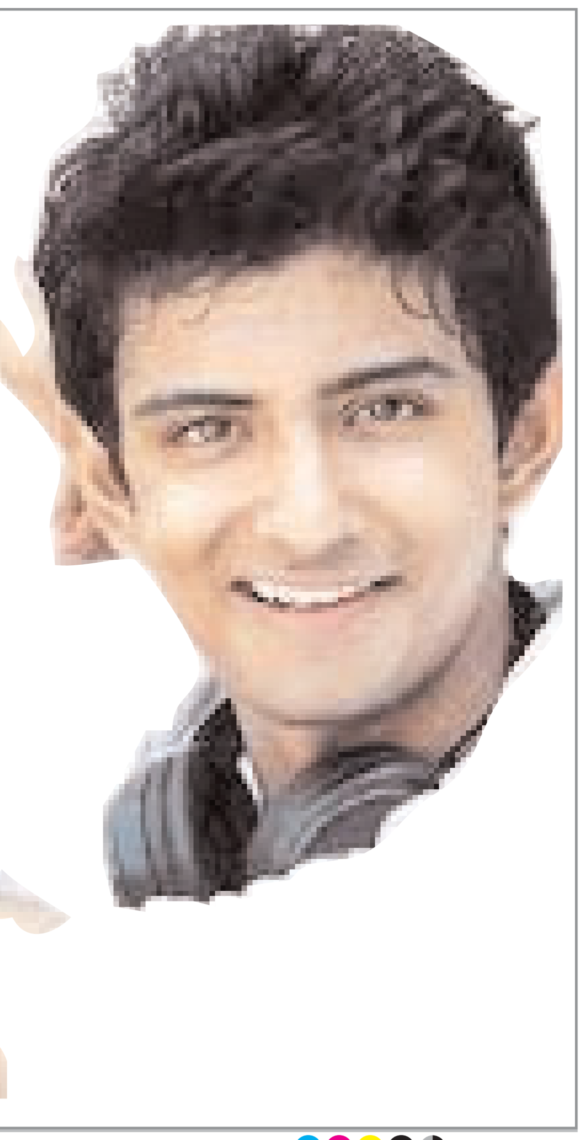

हुनरमंदों की आवाज बन चुका मुंबई फिल्म जगत का एक अभिनव प्रयास 'अपना अड्डा' इस बार मंच बना स्वतंत्र फिल्म निर्माण कंपनी कथाकार फिल्म्स की पहली फिल्म 'मैं लड़ेगा' के मंचन का। 26 अप्रैल को रिलीज हुई इस फिल्म को उतने सिनेमाघर देश में नहीं मिले, जितने इस तरह की दमदार फिल्म को मिलने चाहिए थे। अब, फिल्म को तेलुगु और मलयालम में डब करके रिलीज करने के प्रस्ताव मिल रहे हैं। फिल्म की यहां इंडियन मोशन पिक्चर्स प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (इम्पा) के सभागार में शनिवार रात स्क्रीनिंग हुई और इस दौरान मिले प्यार को देख फिल्म के हीरो आकाश प्रताप सिंह इतने भावुक हो गए कि उनके आंसू निकल पड़े। फिल्म 'मैं लड़ेगा' की इस खास स्क्रीनिंग में मौजूद अभिनेता अमरेंद्र शर्मा अपने सोशल मीडिया पेज पर लिखते हैं, 'फिल्म की कहानी कमाल की है। फिल्म आपको हंसाती है, रुलाती है और आपके अंदर जोश पैदा कर देती है, आपको मोटिवेट करती है। फिल्म सभी नए लोगों ने मिल के बनाई है, और क्या बेहतरीन बनाई है। पूरी टीम को खूब बधाई और शुभकामनाएं।' रेडियो कार्यक्रम विशेषज्ञ योगेश पारीक लिखते हैं, 'अगर मैं लड़ेगा की तुलना पिछले साल की सबसे सफल फिल्मों में से एक एनिमल से करें तो ऐसा लगता है कि एनिमल का रणविजय और मैं लड़ेगा का आकाश एक ही तरह के चाइल्डहुड ट्रॉमा के शिकार थे पर जो चीज इन दोनों को एक दूसरे से पूरी तरह अलग करती है वो थी दोनों की लाइफ चॉइस। एनिमल का रणविजय अपने गुस्से को बेकाबू होने देता है और हिंसा का रास्ता चुन धीरे धीरे एक बेरहम जानवर में बदल जाता है वहीं मैं लड़ेगा का आकाश अपने गुस्से को अपनी लड़ाई को सही दिशा देता है और बॉक्सिंग का ज़रिया बना ना सिर्फ़ अपनी और अपनी मां की लड़ाई जीतता है बल्कि हर उस इंसान को गिरकर ना सिर्फ खड़े होने की बल्कि खड़े होकर लड़ने की और लड़कर जीतने की हिम्मत देता है।' वेब सीरीज 'बंबई मेरी जान' में अपनी शानदारी अदाकारी से सुर्खियों में आए अभिनेता आलोक पांडे लिखते हैं, 'इमोशन, ड्रामा, कॉमेडी सभी रंगों से सजी हुई लगी फिल्म। सारे कलाकारों का बेहतरीन काम। आकाश प्रताप सिंह जो इस फिल्म के मुख्य किरदार हैं, उनकी मेहनत फिल्म के एक एक फ्रेम में दिखाई देती है। फिल्म आपको जोश, जुनून और जीवन मे कभी भी हिम्मत न हारने की सीख दे जाती है। इंडिपेंडेंट रूप से ऐसा सिनेमा बनाने के लिए कलेजा चाहिए जो आकाश ने कर दिखाया है और ये साबित किया है अगर आपकी कहानी मे जान हो, नियत साफ हो और कुछ कर गुजरने की ललक हो तो आप तमाम मुश्किलें पार करके अपनी मंज़िल तक पहुंच सकते हैं और दुनिया के सामने अपनी बुलंदी का झंडा गाड़ सकते हैं। अभिनेता रवि चौहान लिखते हैं, 'इस बार के अपना अड्डा कार्यक्रम में %मैं लड़ेगा% फ़िल्म की स्क्रीनिंग हुई।क्या बेहतरीन फ़िल्म बनाई है। पहले ही सीन से फ़िल्म दिल मे दस्तक दे जाती है। बेहतरीन एडिटिंग और अभिनय से सजी फ़िल्म का डाइरेक्शन किया है गौरव राणा ने। पूरी टीम को बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं। इसी तरह बेहतरीन सिनेमा बनाते रहे। सिनेमैटोग्राफर मयंक त्रिपाठी ने भी फिल्म की खूब तारीफ की है। वह लिखते हैं, 'अभी पिछले महीने ही रिलीज हुई इस स्वतंत्र फिल्म को और तवज्जो मिलनी चाहिए। इसका हर पल आनंददायक रहा। हमें ऐसी छोटे बजट की फिल्मों को बडा सहारा देना ही चाहिए।' इस मौके पर मौजूद लोगों का प्यार देख अभिनेता आकाश प्रताप सिंह काफी भावुक हो उठे। कार्यक्रम में मौजूद वरिष्ठ पत्रकार भारती दुबे ने उन्हें शाबाशी दी और कहा कि अभी तो ये शुरुआत है और अभी बहुत आगे तक जाना है। वरिष्ठ फिल्म वितरक दिलीप सोनी ने फिल्म को फिर से बड़े पैमाने पर रिलीज करने की इच्छा जताई। उन्होंने इस फिल्म को तेलुगु और मलयालम में डब करके रिलीज करने में पूरा सहयोग देने का वादा भी किया।

पन्ना की प्रतीक्षा साहू ने एमपी पीएससी 2021 के अंतिम परिणाम में सफलता अर्जित की

बेटी ने परिवार और समाज का किया नाम तो समाज और प्रदेश अध्यक्ष ने किया भव्य सम्मान

राम नरेश विश्वकर्मा । सिटी चीफ पन्ना, कहते है मेहनत सफलता की मोहताज नही होती है, कुछ ऐसा ही कर दिखाया है पन्ना जिले की साहू समाज की बेटी ने। दरअसल मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा एमपी पीएससी 2021 के अंतिम परिणाम घोषित कर दिए गए है। जिसमे पन्ना की आगरा मुहल्ला निवासी बेटी कु. प्रतीक्षा साहू ने सफलता अर्जित कर परिवार शहर और समाज का नाम रोशन कर दिया है। प्रतीक्षा का चयन प्रथम प्रयास में ही लिखा सेवा अधिकारी वित्त विभाग में हुआ है। जिसको लेकर राष्ट्रीय तेली पिछड़ा वैश्य महासभा के प्रदेश अध्यक्ष हरिशंकर साहू, संभाग मीडिया प्रभारी लखन साहू, जिला अध्यक्ष पन्ना काशीराम साहू, महासचिव मस्तराम साहू शिक्षक, पन्ना ब्लाक अध्यक्ष राजेश साहू एवं सेवानिवृत्त तहसीलदार रामहित साहू, द्वारका प्रसाद साहू, कार्तिक साहू, गोविंद साहू, राजेश साहू आदि ने पहुंचकर बिटिया प्रतीक्षा का शाल श्रीफल भेंट कर पुष्पमाला पहनाकर भव्य सम्मान किया। प्रदेश अध्यक्ष हरिशंकर साहू ने कहा कि यह सफलता केवल बिटिया को ही नही मिली है बल्कि समाज के होनहार बच्चो को भी सफलता है, जो उन्हे आगे बढ़ने की राह दिखाएगी, यह सफलता दर्शाती है कि कड़ी मेहनत और लगन से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। बिटिया प्रतीक्षा एवं पूरे परिवार को बहुत बहुत बधाई। प्रतीक्षा ने बताया कि उनकी इस सफलता में परिवार जनों की अहम भूमिका है, इसके अलावा वह पीएससी की तैयारी कर रहे छात्रों को भी गाइड करेगी। प्रतीक्षा के पिता अनूप कुमार ने बताया कि परिवार के बड़े दादा कन्हैयालाल साहू और बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद से दिन रात उन्नति मिल रही है। परिवार की प्रत्येक सफलता में मेरी पत्नी विनीता अहम भूमिका भी रहती है। इस दौरान मामा विजय साहू, रजनी साहू, राकेश साहू, डीपी साहू, सुमित साहू, अशोक साहू आदि परिवारजनों सहित सामाजिक पदाधिकारियों की मौजूदगी रही।

ज्ञात है कि कु प्रतीक्षा साहू के पिता अनूप कुमार साहू सरस्वती शिशु मंदिर पवई में प्रधानाचार्य है एवं माँ श्रीमती विनीता गृहणी है। प्रतीक्षा ने कक्षा 12 वी तक पढ़ाई पन्ना शहर के सरस्वती शिशु मंदिर में की एवं पन्ना नगर स्थित शासकीय छत्रसाल महाविद्यालय में अध्ययन करते हुए वर्ष 2020 बीएससी स्नातक की पढ़ाई पूरी तथा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में जुट गई एवं लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पीएससी 2021 की परीक्षा में सम्मलित हुई। प्री की परीक्षा में सफलता पन्ना में रहकर ही प्राप्त की। इसके बाद इंदौर जाकर मेंस की तैयारी की और सफलता प्राप्त कर साक्षात्कार में शामिल हुई और विगत दिनों आये नतीजों में उन्होंने लेखा सेवा अधिकारी के पद पर चयनित होने का अवसर प्राप्त किया है।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती अखिल भारतीय क्षत्रिय महासंघ महिला द्वारा गौरव दिवस मनाया गया

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप एक महान पराक्रमी और युद्ध नीति के कुशल योद्धा थे

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ बुढ़ार, वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती अखिल भारतीय क्षत्रिय महासंघ महिला शाखा बुढार द्वारा श्रद्धा एवं आस्था पूर्वक विविध कार्यक्रमों के मध्य मनायी गई। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर तथा दीप प्रज्वलित कर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासंघ महिला शाखा बुढार की अध्यक्ष श्रीमती चंद्रिका सिंह तथा महासंघ के समस्त पदाधिकारी व सदस्यों ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके अविस्मरणीय त्याग व बलिदान को पुण्य स्मरण करते हुये जयंती कार्यक्रम गौरव दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासंघ महिला शाखा बुढार की अध्यक्ष श्रीमती चंद्रिका सिंह (रूपा) ने महाराणा प्रताप के शौर्य को नमन करते हुये कहाकि – हिंदू धर्म एवं संस्कृति के रक्षक और स्वतंत्रता प्रेमी के रूप में हिम्मत और ताकत के साथ महाराणा प्रताप जी ने भारत के सम्मान के लिये लड़ाई लड़ी, ऐसे पराक्रमी वीर सपूत को समूचा राष्ट्र स्मरण कर रहा है। श्रीमती चंद्रिका सिंह ने कहाकि – वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी एक महान पराक्रमी और युद्ध नीति के कुशल योद्धा थे, जिन्होंने अनेकों कष्ट सहने के बाद भी मुगलों की गुलामी स्वीकार नहीं की और आदर्शों के दुर्गम पथ को अलोकित करते रहे ऐसे वीर शिरोमणि के त्याग व बलिदान को कभी विस्मरण नहीं किया जा सकता। जयंती अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्रीमती – चंद्रिका रूपा सिंह, मंजू सिंह, सुमन सिंह, सविता सिंह भदौरिया, अंबिका सिंह, मीनाक्षी सिंह, अन्नुरानी सिंह, मधु सिंह, संध्या सिंह, अंजना सिंह, कल्पना सिंह, सीमां सिंह (बिरुहली), सीमां सिंह परिहार, सरिता सिंह, सीमां सिंह (बुढार), अर्चिता सिंह, विभा सिंह, महिमा सिंह, निशा सिंह, रेखा सिंह, सुषमा सिंह, मनीषा सिंह, अंजली सिंह ने बढ़ चढ़कर अपनी सहभागिता निभाई तथा क्षत्रिय महासंघ महिला द्वारा आयोजित विविध कार्यक्रम में सम्मिलित रहे।

शाजापुर में शिक्षक-शिक्षिकाओं के शैक्षणिक उन्नयन तीन दिवसीय अभ्यास वर्ग का शुभारंभ

सरस्वती विद्या मंदिर में सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मालवा की योजनानुसार आयोजित

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, स्थानीय दुपाड़ा रोड स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मालवा की योजनानुसार शिक्षक-शिक्षिकाओं के शैक्षणिक उन्नयन हेतु मंगलवार को तीन दिवसीय अभ्यास वर्ग का शुभारंभ हुआ। इस दौरान शारीरिक शिक्षण में योग प्राणायाम एवं विभिन्न खेल खेले गए। प्रथम सत्र का प्रारंभ दीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती वन्दना के साथ किया गया। इस सत्र के मुख्य वक्ता डॉ बालाराम परमार थे, जिन्होने छात्र के भविष्य निर्माण में शिक्षक की भूमिका विषय पर बहुत ही रौचक ढंग से प्रकाश डाला तथा कक्षा शिक्षण पूर्व तैयारी को विभिन्न शिक्षण कौशलों के माध्यम से बताया। अतिथि परिचय संस्था प्राचार्य सुरेन्द्र जोशी द्वारा किया गया। वहीं स्वागत चेतन गोस्वामी, शिवनारायण शर्मा ने तथा संचालन देवकरण शर्मा ने किया।

अव्यवस्थाओं का अखाड़ा बनी बैंक ऑफ इंडिया की शाजापुर शाखा

व्यवस्था बनाने में नाकाम साबित हो रहे नवागत शाखा प्रबंधक

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर। बैंक पहुंचने वाले खाताधारकों को रुपये लेन-देन में होने वाली समस्याओं का बैंक के जिम्मेदार अधिकारी शालीनता के साथ निराकरण करते हैं, लेकिन अव्यवस्थाओं का अखाड़ा बन चुके शाजापुर बैंक ऑफ इंडिया के नवागत शाखा प्रबंधक चंद्रप्रकाश स्वयं शिष्टाचार भूलकर अमर्यादित और असभ्य व्यक्ति की भांति अपने पिता की उम्र के खाताधारकों के साथ भी अभद्रता करते नजर आ रहे हैं। यही कारण है कि बीते दिनों भी व्यवस्था सुधार की बजाय शाखा प्रबंधक और उनके सुरक्षा गार्ड ने खाताधारक के साथ अभद्रता की। इतना ही नही खाताधारक को पुलिस बुलाने की धमकी देकर अपने कैबिन में बंधक तक बना दिया। मीडिया के पहुंचने के बाद खाताधारक को बैंक से बाहर जाने दिया गया।

उल्लेखनीय है कि जब से बैंक ऑफ इंडिया शाजापुर की शाखा में चंद्रप्रकाश ने पदभार संभाला तब से खाताधारकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि बैंक में एक ही खिडक़ी से लेन-देन किया जा रहा है जिसकी वजह से ग्राहकों को अपना ही रुपया लेने के लिए घंटों कतार में लगकर परेशान होना पड़ रहा है। वहीं सबसे शर्मनाक बात यह है कि यहां मौजूद शाखा प्रबंधक और उनका सुरक्षा गार्ड खाताधारकों के द्वारा समस्या बताए जाने पर उसका निराकरण करने की बजाय उन्हे मनमाने नियमों का हवाला देकर पुलिस कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं। सोमवार को भी बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक के द्वारा पेंशनर के साथ अभद्र भाषा शैली का प्रयोग कर बदसुलुकी की गई। खाताधारक ने बताया कि उन्होने शाखा प्रबंधक से कहा था कि वे बीते दस दिनों से रुपया निकालने के लिए बैंक के चक्कर लगा रहे हैं। एक ही काउंटर से रुपया लेन-देन की वजह से यह असुविधा हो रही है। अधिक देर खड़ा रहने की वजह से भारी असुविधा होती है, ऐसे में यदि दो काउंटर लेन-देन के लिए कर दिए जाएं तो अन्य खाताधारकों को भी असुविधा से निजात मिलेगी, लेकिन इस समस्या को हल करने की बजाय शाखा प्रबंधक और उनका सुरक्षा गार्ड नाराज हो गया तथा पुलिस की धमकी देकर बदतमीजी करने लगे। शाखा प्रबंधक को हटाया जाना चाहिए।

बंद कराएंगे खाता

बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक और सुरक्षा गार्ड के द्वारा अभद्रता किए जाने से खाताधारक आहत हैं और उनका कहना है कि जल्द ही वह बैंक से अपना खाता बंद करवाएंगे। साथ ही अन्य परिचीतों के खाते भी बंद करवाएंगे। इसके अलावा वे अन्य लोगों से भी कहेंगे कि बैंक ऑफ इंडिया में खाता नही खुलवाएं, क्योंकि यहां फैली अव्यवस्थाओं की वजह से भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

वृद्ध भी कतार में लगने को मजबूर

बैंक ऑफ इंडिया की शाजापुर शाखा में फैली अव्यवस्थाओं का आलम यह है कि यहां पहुंचने वाले वृद्ध खाताधारकों को भी रुपया लेन-देन करन के लिए घंटों कतार में लगना पड़ता है। बैंक में बैठक की पर्याप्त व्यवस्था नही होने की वजह से भारी परेशानी का सामना खाताधारकों को करना पड़ रहा है। एकल खिडक़ी से किए जा रहे लेन-देन की वजह से महिलाएं और वृद्ध सबसे अधिक परेशान हैं, लेकिन नवागत शाखा प्रबंधक अव्यवस्था पर अपने कैबिन में बैठकर ही गैर जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं जो खाताधारकों के लिए परेशानी का सबब बन रहा है। मंगलवार को भी बैंक में खाताधारकों की भीड़ लगी रही।

इनका कहना है

बैंक में एकल खिडक़ी से लेन-देन करते हैं, इससे कतार तो लगती है, लेकिन खाताधारकों को कोई परेशानी नही होती। जो खाताधारक भीड़ अधिक होने की वजह से पहले दिन लेन-देन नही कर पाते हैं वे अगले दिन आकर लेन-देन करते हैं।

-चंद्रप्रकाश, शाखा प्रबंधक बैंक ऑफ इंडिया शाजापुर।

सड़क निर्माण की मांग को लेकर चक्काजाम

रास्ता रोककर प्रदर्शन करने वालों को पुलिस ने हटाया
जगन्नाथ चौक से घंटाघर तक बनाई जानी है रोड

सुनिल यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी के जगन्नाथ चौक से लेकर घंटाघर तक सड़क निर्माण का काम उलझता ही जा रहा है। सड़क निर्माण का कार्य बरसात के पहले न होने से लोगों की चिंता बढ़ती जा रही है। इसी को लेकर आज सैकडो स्थानीय लोगों का आक्रोश भड़क उठा है और लोगों ने जगन्नाथ चौक से घंटाघर मार्ग पर आदर्श कालोनी तिराहा के पास चकाजाम कर दिया। आक्रोशित लोगों का कहना था कि सड़क का निर्माण कार्य बरसात के पहले होना चाहिए। इसके अलावा उनका यह भी कहना था कि यहां सड़क का लेबल दोनों ओर स्थित घरों के ऊपर है। जिसके कारण बरसात का पानी घरों के अंदर घुसेगा। जिससे सड़क के दोनों ओर रहने वाले लोगों को बेवजह परेशान होना पड़ेगा।आक्रोशित लोगों ने बताया कि अभी कई लोगों के पास सड़क के दोनों ओर की नालियों को साफ करने का नोटिस पहुंचा है लेकिन यहां नालियों की नहीं बल्कि दोनों ओर बड़े नालों की जरूरत है। उधर इस पूरे मामले को लेकर महापौर प्रीती संजीव सूरी का कहना है कि सड़क निर्माण की प्रक्रिया चल रही है। अभी प्रारंभिक चरण में डब्लूबीएम सड़क बनाई गई है, बरसात बाद डामरीकरण होगा। नियम 305 व 306 के तहत भूअधिग्रहण की प्रक्रिया भी चल रही है। भूअधिग्रहण की कार्रवाई के बाद जगन्नाथ चौक से लेकर घंटाघर तक 12 मीटर सड़क बनाकर शहर वासियों को राहत दी जाएगी।

कटनी के पारधीयों के डेरे पर कटनी एस पी अभिजीत रंजन ने किया जनसंवाद

कहा, अपराध से करो तौबा और बच्चों को भेजो स्कूल

सुनिल यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले के पारधीयों को जीवन की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने पुलिस मुख्यालय एवं प्रदेश शासन के निर्देशानुसार उनके बीच पहुंच कर जन संवाद किया। पारधीयों से उनके जीवन में आ रही समस्याओं के संबंध में चर्चा करते हुए एसपी अभिजीत रंजन ने उन्हें शिक्षा के प्रति जागरूक रहते हुए अपने बच्चों को शिक्षित करने तथा अपराध की दुनिया छोड़कर सामान्य जीवन जीने की लिए समझाइस दी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संतोष डेहरिया, नगर पुलिस अधीक्षक ख्याति मिश्रा, कुठला थाना प्रभारी अभिषेक चौबे के अलावा कुठला थाने का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। कुठला थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने बताया की पारधी हमेशा से ही अपराधी गतिविधियों में लिप्त हो जाते है जिसका खामियाजा उनका परिवार भी खानाबदोश की जिदंगी गुजाने मजबूर हो जाते है, इन्ही समस्याओं व अपराधो में अंकुश लगाने के लिए कटनी पुलिस खुद उनके बीच बैठ उनकी समस्याएं सुनी और यह कहा वे लोग अपराधो से दूर रहे और अपने बच्चो को स्कूल भेज बेहतर शिक्षा दे और उनके भविष्य को सुधारे।

एनएसयूआई और अभाविप का विरोध प्रदर्शन, छात्र संगठन सड़कों पर

नागौद के शासकीय महाविद्यालय भवन की कमियों का करा विरोध

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, अलग-अलग विचारधारा और राजनीतिक पार्टियों से संबद्ध छात्र संगठन एनएसयूआई और अखिल भारतीय विद्या परिषद (अभाविप) दोनों अलग-अलग मुद्दों को लेकर सोमवार को अलग-अलग स्थानों पर आंदोलनरत थे। एनएसयूआई ने देश भर में नीट परीक्षा की विसंगतियों और इनसे उपजे हालात के विरोध में शहर में सर्किट हाऊस चौराहे पर धरना प्रदर्शन किया, वहीं अभाविप ने नागौद-उचेहरा मार्ग को अपनी गतिविधि का केंद्र बनाया। उन्होंने नागौद के शासकीय महाविद्यालय भवन की कमियों के विरोध को अपनी गतिविधि का कारण बताया

नागौद का महाविद्यालय भवन जर्जर: शासकीय जलद त्रिमूर्ति महाविद्यालय नागौद के आधा सैकड़ा छात्रों ने अभाविप कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में धरना प्रदर्शन किया। सुबह 11 बजे छात्र कॉलेज कैंपस में एकत्र हुए। इसके बाद नारेबाजी करते हुए नागौद-उचेहरा मुय मार्ग में धरने में बैठ गए। उन्होंने 15 सूत्रीय मांगों को लेकर दो घंटे तक चक्काजाम किया। रोड जाम होने की सूचना पर नागौद थाना प्रभारी अशोक पाण्डेय पुलिस बल मौके पर पहुंचकर समझाइश दी। फिर भी प्रदर्शनकारी छात्र नहीं मानें। तब तहसीलदार को बुलाया गया। उन्होंने आंदोलन कारी छात्रों का राजी किया। तब कहीं जाकर यातायात बहाल हुआ। नागौद के अभाविप नगर मंत्री सूर्यदेव सिंह परिहार का कहना है कि कॉलेज का भवन 90 के दशक का है और जर्जर है। 4000 विद्यार्थी जोखिम में रहते हैं। कॉलेज भवन की मरमत, रंग रोगन, इसके अलावा महाविद्यालय में पीने के पानी की समुचित व्यवस्था, नवीन लाइब्रेरी, छात्राओं के लिए शौचालय, खेल सामग्री, व्यवस्थित पार्किंग,

सीसीटीवी कैमरे लगाने और पुलिस चौकी खोलने की जरूरत भी है।

नीट में धांधली के आरोप पर प्रदर्शन: नीट परीक्षा में देशभर में हुई धांधली का आरोप लगाते हुए एनएसयूआई ने सोमवार को सर्किट हाउस चौराहे पर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की और पुतला दहन भी किया। छात्र नेता नमो त्रिपाठी कंदैला एवं हर्ष सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने इस दौरान संबोधन भी दिया और कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में छात्रों के हितों का हनन हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि नीट की गड़बड़ियों की वजह से ही हजारों छात्र निराश हुए हैं। कई छात्र-छात्राओं ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। विंध्य क्षेत्र की होनहार बेटी ने कोटा में आत्महत्या की। अगर सरकार घोटाले के संबंध में जल्द निर्णय नहीं लेती तो आगामी दिनों में एनएसयूआई कार्यकर्ता सभी छात्रों के साथ मिलकर भिक्षाटन और उग्र प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर ऋषभ निगम, शिवांजय सिंह बघेल, मानस पाण्डेय, शिवांश द्विवेदी खमरिया, जय पाण्डेय, अरविंद विश्वकर्मा, सुरेंद्र कुशवाहा, उत्कर्ष मिश्रा आदि छात्र नेता भी उपस्थित थे।

अवैध ओवरलोड ट्रैकों के खिलाफ

भाजपा युवा मोर्चा ने खोला मोर्चा

बदेरा मंडल अध्यक्ष अनूप बुंदेला के नेतृत्व में कलेक्टर को सोपा ज्ञापन

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ मैहर, मैहर बरही मार्ग पर चल रहे ओवरलोड ट्रैकों के विरुद्ध भाजपा युवा मोर्चा मंडल बदेरा के नेतृत्व में मैहर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है जहां मंडल अध्यक्ष अनूप बुंदेला (राजा भैया) ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि भटूरा-भदनपुर होते हुए मैहर-बरही मार्ग पर इन दिनों अवैध ओवरलोड ट्रक काफी तादाद में चल रहे हैं, जो प्रतिदिन रोजाना दिन और रात ट्रैकों में ओवरलोड पत्थर लादकर सड़क पर चलते हैं। जिससे उन ट्रैकों से उड़ने वाली धूल डस्ट रास्ते में चलने वाले लोगों बहुत नुकसान पहुंचाते हैं,साथ ही ओवरलोड ट्रैकों से गिरने वाले पत्थरो से कई हादसे होते हैं। आगे श्री बुंदेला ने कहा कि पूर्व में कई भीषण हादसे इन ओवरलोड ट्रैकों की वजह से हो चुके हैं। और इन हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इन्हीं सब विषयों को देखते हुए आज भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल बदेरा की पूरी टीम ग्रामीण जन साथ मैहर कलेक्ट्रेट परिसर जाकर अपर कलेक्टर श्री शैलेंद्र सिंह से बात करते हुए ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि इन बेलगाम दौड़ रहे ओवरलोड ट्रैकों पर जल्द से जल्द जिला प्रशासन कार्यवाही करें अन्यथा पांच दिवस के अंदर कार्यवाही नहीं होती तो भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल बदेरा की पूरी टीम ग्रामीण जन साथ मिलकर खुद सड़क पर उतरकर चक्का जाम करेगी जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। ज्ञापन देने के उपरांत जहां इस मौके पर भाजयुमो बदेरा मंडल अध्यक्ष अनूप बुंदेला (राजा भैया),महामंत्री श्री गौरव जायसवाल, सुशील पाल (पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मैहर),रोहित बर्मन,बुद्धि लाल, लल्लू , दसरत, भैयालाल, सुखलाल, रामदीन, राजभान, अभय, राघवेंद्र, संदीप, वीरेंद्र, राकेश, सोनू , अमर, आदित्य, विक्रम, कैलाश, विनय, अभिनव, विकाश, गोलू , फुलमेश,साहिल, पवन, रामशिंग पटेल, सुनील, अमित,राजेश एवं युवा मोर्चा के सभी कार्यकर्ता सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

इन्टरलोकिंग, नाले एवं सडकों के निर्माण कार्य का किया गया निरीक्षण

आई.आई.ए. चेयरमैन पंकज गुप्ता के साथ उपायुक्त उद्योग वी.के. कौशल द्वारा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, इण्डस्ट्रीयल इस्टेट में जिला उद्योग केन्द्र विभाग द्वारा बनाये जा रहे इन्टरलोकिंग, नाले एवं सडकों के निर्माण कार्य का आई.आई.ए. चेयरमैन पंकज गुप्ता के साथ उपायुक्त उद्योग वी.के. कौशल द्वारा निरीक्षण किया गया। इसके उपरान्त आई.आई. आफिस पंकज आफसैट पर उद्यमियों की समस्याओं को सुना गया। जिसमें आई.आई.ए. चेयरमैन पंकज गुप्ता ने मुख्य रुप से बिजली की समस्या से अवगत कराया कि पावर कट अत्यधिक होने से इण्डस्ट्रीज का चलना मुश्किल हो गया है। पूर्व चेयरमैन आई.आई.ए. दीपकराज सिंघल द्वारा कहा गया कि उद्यमियो को विभाग द्वारा नोटिस दिये जा रहे हैं जिसमें उन्हें प्रताडित न किया जाकर उनके द्वारा उद्योग चलाने में आ रही असुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सम्पर्क किया जाना चाहिए कि यदि उनका उद्यम चल नहीं पा रहा है तो उसका क्या कारण है ताकि वह सुचारु रुप से चल सके।जिसमें उपायुक्त उद्योग ने उक्त नोटिस के सम्बन्ध में कहा कि इण्डस्ट्रीज में आई किसी भी बाधा को दूर किया जायेगा और उद्यमियों की समस्याओं का हल भी किया जायेगा। बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी अशोक गुप्ता, पूर्व चेयरमैन आई.आई.ए. विजय गिरधर, पूर्व चेयरमैन आई.आई.ए. जर्रार बेग, पूर्व चेयरमैन आई.आई.ए. अंकुर गर्ग, उप चेयरमैन शिवम सिंघल, सचिव कुणाल गिरधर, रोहित अग्रवाल (जे.जे.), अनुज सिंघल रहे तथा जिला उद्योग केन्द्र से रवि कुमार मौजूद रहे।

नरेंद्र मोदी के भारत का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर देवबंद में भाजपाइयों ने मनाया जश्न

मिष्ठान वितरण कर शुभकामनाएं प्रेषित की

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, नरेंद्र मोदी के भारत का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की खुशी में भाजपा नगर मंडल देवबंद अध्यक्ष अरुण गुप्ता के नेतृत्व में भारी संख्या में भाजपा नगर मंडल कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय घोष करते हुए रेलवे रोड स्थित सुभाष चौक पर पहुंचकर मिष्ठान वितरण कर शुभकामनाएं प्रेषित की।

इस अवसर पर देवबंद भाजपा नगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की प्रतिमा को माला एवं पुष्प अर्पण कर कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन की सरकार आगे भी नई ताकत, अद्वितीय ऊर्जा और तीव्र गति के साथ देश की जनता की सेवा करने के साथ भारत को 2047 तक विकसित बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपना कार्य अवश्य ही पूर्ण करेगी। नगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश में भय मुक्त सुरक्षित वातावरण देने का काम किया गया है। जबकि विपक्ष ने मतदाताओं को भ्रमित कर कुछ सीटों पर भले ही विजय हासिल कर ली हो परंतु उनका भ्रम जल्दी ही दूर हो जाएगा और वह इस विकास की सरकार के साथ जुड़ेंगे ऐसा उन्हें विश्वास है। इस अवसर पर राजेश अनेजा, कुलदीप सैनी, श्याम चौहान, आलोक खटीक, अमित गर्ग, विजेश कंसल, पंडित विशाल शर्मा, विशाल गर्ग, अजय गर्ग, मोहनलाल कोरी, सचिन शर्मा आदि उपस्थित रहे।

मोक्षायतन की अनूठी योग मुहिम योग गंगा बहेगी तो गंदगी छंटेगी

योगनिष्ठ नारी ही राष्ट्र उद्धारक :- भारत योगी पूनम वर्मा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, भारत सरकार द्वारा इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का थीम महिलाओं के लिए योग घोषित होने से पहले ही आयुष मंत्रालय द्वारा देश के अग्रणी योग संस्थान के रूप में घोषित मोक्षायतन ने अपनी 100 दिन योग एवं यज्ञ संस्कार श्रृंखला के अन्तर्गत योग शिविरों के संचालन और प्रशिक्षण की अधिकांश जिम्मेदारी संस्थान की महिला योग शिक्षकों व प्रशिक्षकों को सौंपी हुई है। ये शिविर ऐसे जोर पकड़ रहे हैं कि गली-गली योग गंगा बहती नज़र आ रही है। ऐसे ही नुमाइश कैंप स्थित नगली आश्रम में संचालित एक त्रिदिवसीय योग संस्कार शिविर में योग शिक्षक भारत योगी पूनम वर्मा ने कहा कि हमें सिर्फ दर्शक और हालात पर अफसोस करने वाले न बनकर पहल करने वाला बनना है और अपने घर नगर और तन-मन की गंदगी मिटाकर अपने शहर से भी गंदा शहर का लेबल हटाकर अब गली-गली योग गंगा बहाकर इसे स्वच्छता की पहचान देनी है। उन्होंने कहा कि भारतदेश के गुरुदेव योगी भारत भूषण सरीखे स्वच्छता एंबेसेडर जिस शहर ने दिए हों उसे योग के मूल मंत्र स्वच्छता को अपनाना ही होगा क्योंकि शौच बिना तो योग का पूरा लाभ लिया ही नहीं जा सकता। भारत योगी पूनम वर्मा ने योग जिज्ञासुओं को तीन दिन लगातार शरीर और सोच को निर्मल करने की अनेक क्रियाएं सिखाई और कहा कि महिलाएं रोगों को अपनी नीयती न समझें, योगनिष्ठ स्वस्थ और जाग्रत नारी ही हमारे परिवार और समाज की रीढ़ रही है जो राष्ट्र के उत्थान में बड़ी भूमिका निभाती आई है। इस शिविर में महिलाओं ने स्वास्थ्य लाभ लेने के साथ-साथ सात्विक आहार व संस्कारवान जीवन अपनाने का भी संकल्प लिया है। उन्होंने गुरुदेव स्वामी भारत भूषण का संदेश दोहराया कि एक आदमी को योग धारा से जोड़कर हम उसका भला करते हैं लेकिन एक महिला को योग से जोड़कर हम दो परिवारों और पीढ़ी को जगाने का काम करते हैं। पूनम वर्मा ने बताया कि संक्रामक साधक साधिका तैयार करने के लिए यह हर घर योग संस्कार अभियान योग दिवस तक निरंतर जारी रहेगा। शिविर में आश्रम प्रमुख संत उपासना पुरी व संत शाश्वत पुरी सहित अनेक साधको ने योगिक क्रियाएं सीख कर शिविर का आनंद लिया।

सहारनपुर में फिर सड़क हादसे

दो अलग-अलग सड़क हादसों में बाइक सवार तीन लोगों की हुई मौत

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, सहारनपुर जिले में दो अलग-अलग सड़क हादसे में दो युवकों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। एसपी देहात सागर जैन ने बताया कि नकुड़ थाना क्षेत्र में 50 वर्षीय विनोद कुमार की बाइक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। एक अन्य हादसे में बेहट थाना क्षेत्र के गांव बादलपुर के पास खनन से भरी ट्रैक्टर-ट्राली की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों 25 वर्षीय अवनीश और 22 वर्षीय पवन कश्यप की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक दोनों युवक बीती रात बाइक से भगवानपुर फैक्टरी से अपने गांव लौट रहे थे उसी दौरान यह हादसा हुआ। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस निरीक्षक योगेश शर्मा ने बताया कि ट्रैक्टर- ट्राली को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। चालक फरार है।

सहारनपुर में स्कार्पियों कार ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर

हादसे में ई-रिक्शा चालक समेत पांच लोग हुए घायल

सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के बेहट क्षेत्र के गंदेवड़-चिलकाना मार्ग पर स्कार्पियों कार ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा चालक समेत पांच लोग घायल हो गए। कार चालक ने घायलों को साढ़ौली कदीम सीएचसी में भर्ती कराया। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस भी सीएचसी पहुंच गई और घायलों का हाल जाना। हादसा आज सुबह कोतवाली क्षेत्र के गांव साढ़ौली कदीम घूम पर हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गागलहेड़ी क्षेत्र के गांव छजपुरा निवासी जुल्फान अपने परिवार के साथ साढ़ौली कदीम अपनी बहन के यहां जा रहा था। उत्तराखंड के हर्बटपुर से आते समय वह गेंदवड़ तिराहे पर बस से उतर लिए। यहां से उन्होंने ई-रिक्शा ली। घूम पर उनकी ई-रिक्शा में सामने से आ रही स्कार्पियो कार ने टक्कर मार दी। हादसे में ई- रिक्शा का चालक सौरण पुत्र तिरतिया निवासी साढ़ौली कदीम व जुल्फान, उसकी पत्नी मोहसिना, बेटा राशिद और बहन संजीदा घायल हो गए। घायलों को स्कार्पियो चालक ने कार से सीएचसी पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

ससुराल से घर लौट रहे बाइक सवार को ट्रक ने मारी टक्कर

मोके पर हुई मौत, पोस्टमार्टम के लिए भेज गया शव

गौरव सिंघल । सिटी चीफ नकुड । सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के नकुड थाना क्षेत्र अंतर्गत अम्बेहटा पीर कोल्हाहेड़ी निवासी विनोद कुमार शामली से अपनी ससुराल से वापस घर लौट रहा था। जब वह फंदपुरी के पास पहुंचा तो पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

चीनी नौसेना के असंतुष्ट पूर्व अधिकारी ने स्पीडबोट से ताइवान में की घुसपैठ, मच गई खलबली

बीजिंग/ताइपे- चीनी नौसेना के एक पूर्व कप्तान ने रविवार को ताइवान की नौसेना को उस समय चौंका दिया जब वह अपनी स्पीडबोट के साथ राजधानी ताइपे के बाहर एक घाट तक पहुंच गया। चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच उच्च सुरक्षा उपायों के बावजूद मुख्य भूमि के एक चीनी व्यक्ति द्वारा घुसपैठ की ताइवान के शीर्ष राजनेताओं ने कड़ी आलोचना की है। चीन ताइवान को विद्रोही प्रांत मानता है जिसे मुख्य भूमि के साथ फिर से एकीकृत किया जाना चाहिए, भले ही इसके लिये बल का इस्तेमाल क्यों न करना पड़े। भगोड़ा बताये जा रहे रुआन (60) नामक व्यक्ति को न्यू ताइपे में तमसुई के तट से 11 किलोमीटर दूर देखा गया। हांगकांग स्थित 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने मंगलवार को बताया कि तटरक्षक बल के अनुसार, ताइपे शहर की ओर जाने वाली तमसुई नदी में प्रवेश करने के बाद नाव घाट पर एक अन्य नौका से टकरा गई। रुआन ने खुद को चीनी नौसेना का पूर्व कैप्टन बताया और कहा कि वह एक दिन पहले ही चीन के तटीय शहर फूजौ के निंगडे बंदरगाह से रवाना हुए थे। हालांकि, ताइवान के तटरक्षक ने कहा कि नाव पर कोई खाद्य या पेय पदार्थ नहीं मिला। तटरक्षक बल के अनुसार, उस व्यक्ति ने कहा कि उसे अनुचित बयान देने के कारण मुख्य भूमि के अधिकारियों द्वारा सताया गया था और वह ताइवान भाग जाना चाहता था। उन पर आव्रजन अधिनियम सहित विभिन्न ताइवानी कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया था। ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने मंगलवार को कहा कि इस बात की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि चीनी स्पीडबोट की घुसपैठ बीजिंग की एक रणनीति हो। 'ताइवान न्यूज% की खबर के अनुसार, इसके बाद रक्षा मंत्रालय चीन की ओर से जहाजों की घुसपैठ को रोकने के उपायों को मजबूत करेगा।

अब अगले वर्ष होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव पर रहेगी नजर

लोकसभा चुनाव जैसे परिणाम देखना चाहती है भाजपा

नेशनल डेस्क- लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में भाजपा की राजग की सरकार बन गई है। हालांकि, पिछली दो बार से उलट इस दफा भाजपा को अपने दम पर बहुमत नहीं मिला है। अब विभिन्न राजनीतिक दलों की नजरें आगामी विधानसभा चुनावों पर हैं, जिनमें दिल्ली भी शामिल है। राष्ट्रीय राजधानी में अगले साल के शुरू में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके लिए आम आदमी पार्टी (आप), भाजपा और कांग्रेस ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। भाजपा की कोशिश है कि जिस तरह से लोकसभा चुनाव में दिल्ली में पार्टी की शानदार जीत हुई है, उसी तरह इस बार विधानसभा चुनाव में भी उसका प्रदर्शन बेहतर रहे। इस बार के लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सभी सातों सीट पर लगातार तीसरी बार भाजपा की जीत हुई है। इस चुनाव में दिल्ली की सभी सीट पर भाजपा की जीत का औसत हालांकि कम रहा है। पिछले लोकसभा की तुलना में इस बार भाजपा मत फीसद करीब 6.4 फीसद कम रहा। भाजपा को पिछली बार 56 फीसद वोट मिले थे, जबकि इस बार 52 फीसद मिले हैं। कांग्रेस और आप इस बार मिलकर चुनाव लड़े थे। आप ने चार सीट पर और कांग्रेस तीन सीट पर उम्मीदवार उतारे थे। बावजूद इसके दोनों के वोट

औसत में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ। आप के संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तैयारी सुप्रीम कोर्ट से चुनाव प्रचार के लिए 21 दिन की जमानत की अवधि पूरी करके दो जून को वापस तिहाड़ जेल चले गए। उनकी गैर हाजिरी में उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने चुनाव नतीजों की समीक्षा बैठक ली। उस बैठक के बाद आप के दिल्ली संयोजक और दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय ने घोषणा कर दी कि कांग्रेस से आप का गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव के लिए था। आप विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। उसके बाद दिल्ली कांग्रेस के नए अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने भी इसी बात को दोहराया। यानी दिल्ली का विधानसभा चुनाव तिकोना होना तय है। पिछले कई वर्षों से दिल्ली में लोकसभा, विधानसभा और नगर निगम चुनावों का जनादेश अलग-अलग रहा है। लोकसभा चुनाव 2014 से लगातार भाजपा जीतती रही है, तो 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में आप को जीत हासिल हुई है। नगर निगम का चुनाव लगातार तीन बार भाजपा ने जीता, मगर वर्ष 2022 में निगम पर आप ने कब्जा कर लिया। लोकसभा चुनाव पर गौर करें तो दिल्ली विस की कुल 70 सीट में से 52 पर भाजपा को बढ़त है। हालांकि, 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 65 विधानसभा सीट पर बढ़त थी, मगर विधानसभा चुनाव में उसे केवल आठ सीट ही मिल पाईं। दरअसल, भाजपा के लिए बड़ी चुनौती मुख्यमंत्री केजरीवाल के मुकाबले दिल्ली में नेता तैयार करने की है। दूसरी चिंता इस लोकसभा चुनाव में भाजपा को नई दिल्ली, दिल्ली छावनी, राजौरी गार्डन, तिलक नगर आदि विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त न मिलना है।

53 वर्ष पहले लापता विमान का मलबा वर्मोन्ट की चैम्पलेन झील में मिला

न्यूयार्क: वर्मोन्ट में 53 वर्ष पहले पांच लोगों को ले जा रहा एक निजी विमान लापता हो गया था, जिसका मलबा चैम्पलेन झील से बरामद किया गया है। विशेषज्ञों ने यह जानकारी दी। यह वाणिज्यिक विमान 27 जनवरी 1971 को बर्लिंगटन हवाई अड्डे से रोड आइलैंड के प्रोविडेंस के लिए उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद लापता हो गया था। विमान में जॉर्जिया विकास कंपनी कजन प्रॉपर्टीज के तीन कर्मचारी और चालक दल के दो सदस्य सवार थे। कंपनी के कर्मचारी बर्लिंगटन में एक विकास परियोजना पर काम कर रहे थे। शुरुआत में जब खोज की गयी तो 10 सीट वाले इस विमान का मलबा नहीं मिला और विमान के लापता होने के बाद चार दिनों तक झील जमी रही। विमान का पता लगाने के लिए कम से कम 17 बार खोज अभियान चलाया गया। खोजकर्ता गैरी कोजाक और एक टीम ने पिछले महीने पानी के भीतर एक रिमोट से संचालित

वाहन का उपयोग कर झील में उसी जगह विमान का मलबा पाया, जहां रेडियो कंट्रोल टॉवर ने विमान के लापता होने से पहले उसे आखिरी बार ट्रैक किया था। जूनिपर द्वीप के निकट 200 फुट (60 मीटर) पानी में मिले विमान के मलबे की सोनार तस्वीरें ली गईं। कोजाक ने सोमवार को कहा, इन सभी सबूतों के साथ, हम 99 फीसदी पूरी तरह से आश्वस्त हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि विमान का मलबा मिलने से पीड़ित लोगों के परिवारों को थोड़ी राहत और उनके कई सवालों के जवाब मिलेंगे। पायलट जॉर्ज निकिता की संबंधी बारबरा निकिता ने मंगलवार को %द एसोसिएटेड प्रेस% से एक साक्षात्कार में कहा, विमान का मलबा मिलना एक सुखद अहसास है लेकिन यह उतना ही दिल को झकझोर कर रख देने वाला अहसास भी है7 हम जानते हैं कि क्या हुआ था। हमने कुछ तस्वीरें देखी हैं।

छुट्टियों में माता वैष्णो देवी जाने वाले भक्तों के लिए ये लग्जरी सुविधा जल्द होगी शुरू

नेशनल डेस्क- माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग ने भक्तों के लिए बड़ी का सुविधा ऐलान किया। उन्होंने बताया की हम 18 जून से जम्मू और वैष्णो देवी तीर्थ भवन के बीच सीधी हेलीकॉप्टर सेवा शुरू कर रहे हैं। पैकेज के एक हिस्से के रूप में बैटरी कार सेवा, प्राथमिकता दर्शन, प्रसाद सेवा और भैरों मंदिर तक रोपवे जैसी अन्य संबद्ध सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह पैकेज हमारी आधिकारिक साइट पर ऑनलाइन बुक किया जा सकता है। श्रद्धालु पहले आओ पहले पाओ के आधार पर इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं बता दें कि देश भर के करोड़ों श्रद्धालु वैष्णो देवी दर्शन के लिए जाते हैं। एसएमवीडीबी के मुख्य

कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अंशुल गर्ग ने कहा, बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए बोर्ड ने 18 जून से जम्मू से भवन तक सीधे हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू करने का निर्णय लिया है। गर्ग ने कहा कि पैकेज के तहत भक्तों को बैटरी कार सेवा, प्राथमिकता पर दर्शन, प्रसाद और रोपवे सेवा सहित अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने कहा, ये सभी सुविधाएं एक पैकेज के रूप में दी जा रही हैं। लोग हमारी वेबसाइट के माध्यम से हेलीकॉप्टर सेवा की बुकिंग कर सकते हैं और सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। अधिकारियों के अनुसार, श्रद्धालुओं को मंदिर के पास पंछी हेलीपैड पर उतरने के बाद भवन ले जाया जाएगा। उन्होंने बताया कि तीर्थयात्रियों को एक विशेष दर्शन पर्ची, प्रसाद, भैरव मंदिर में पूजा करने के लिए प्राथमिकता टिकट, केबल कार और पंछी हेलीपैड पर पहुंचने और जम्मू हवाई अड्डे के लिए हेलीकॉप्टर में सवार होने के लिए बैटरी कार सेवा प्रदान की जाएगी। गौरतलब है कि वर्तमान में हेलीकॉप्टर सेवा केवल कटरा और सांझीछत के बीच ही उपलब्ध है। रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर जम्मू और कश्मीर के सबसे पूजनीय स्थलों में से एक है। यहां प्रतिवर्ष लगभग एक करोड़ भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

गर्मी और लू के कारण इतनी तारिख तक बंद रहेंगे स्कूल

नेशनल डेस्क- भीषण गर्मी की स्थिति को देखते हुए, झारखंड सरकार ने राज्य के सभी स्कूलों को 15 जून तक बंद करने का फैसला किया है। इससे पहले, सरकार ने हीटवेव अलर्ट के कारण स्कूलों के समय में बदलाव किया था। चत्र से 8वीं कक्षा तक की कक्षाएं 15 जून 2024 तक सुबह 7 बजे से 11-30 बजे तक आयोजित की जानी थीं, जबकि कक्षा 9वीं से आगे की कक्षाएं सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जानी थीं। झारखंड में मंगलवार को पारा 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा, पलामू क्षेत्र में पारा 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। प्रशासन ने अब सभी स्कूलों को अगले चार दिनों तक बंद रखने का फैसला किया है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अत्यधिक गर्मी और गर्मी के कारण राज्य में संचालित सरकारी, गैर सरकारी, सहायता प्राप्त/गैर अनुदानित (अल्पसंख्यक सहित) और सभी निजी स्कूल 12 जून से 15 जून तक बंद रहेंगे। आधिकारिक नोटिस में लिखा है, राज्य में अत्यधिक गर्मी और लू की स्थिति, राज्य में संचालित सभी श्रेणी के सरकारी, गैर-सरकारी, सहायता प्राप्त/गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) और सभी निजी स्कूल 12 जून से 15 जून तक बंद रहेंगे। मौसम पूर्वानुमान विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में राज्य के अधिकांश हिस्सों में भीषण तापमान जारी रहने की संभावना है।

5 जी नेटवर्क को ब्लॉक नहीं कर पा रहे हैं तिहाड़ जेल के जैमर

गैंगस्टर इस्तेमाल कर रहे हैं आईफोन

नेशनल डेस्क- देश की राजधानी दिल्ली में 5जी लांच होना भले ही जनता के लिए सुखद है लेकिन इस सुविधा के कारण तिहाड़ जेल प्रशासन की परेशानियां बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। दरअसल तिहाड़ जेल के अंदर जो जैमर लगा है वो 5जी नेटवर्क को जेल में नहीं रोक पा रहा। ये जैमर 3त्र और 4त्र नेटवर्क को तो जाम कर देता था लेकिन 5जी नेटवर्क को जाम करने में सक्षम नहीं है। हाल ही में जेल के अंदर ऐसे मामले भी सामने आए हैं जब गैंगस्टरों ने 3त्र और 4त्र नेटवर्क को बाईपास करने के लिए आईफोन के जरिए अपराधिक घटनाओं का अंजाम दिया है।

जेल प्रशासन ने दिल्ली सरकार को दी है जानकारी: बता दें कि 5जी नेटवर्क में सुपर-एडवांस तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। तिहाड़ जेल प्रशासन अब जेल के अंदर लगे जैमर की तकनीक को अपडेट

करने की तैयारी कर रहा है। जिससे कि जेल के अंदर 5 जी नेटवर्क ना पहुंच सके। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामले की गंभीरता को देखते हुए तिहाड़ जेल प्रशासन ने दिल्ली सरकार को इस बारे में जानकारी दे दी है। जैमर अपडेट करने की तैयारी शुरू हो चुकी है। इस काम में कुछ समय और लग सकता है। तब तक तिहाड़ जेल के अंदर 5 जी नेटवर्क पहुंचता रहेगा। जैमर के पूरी तरह अपडेट होने तक तिहाड़ जेल प्रशासन के लिए ये एक बड़ा टेंशन है। तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल जेल में तीन जैमर हैं। ये 3जी और 4जी नेटवर्क को तो जाम कर लेते हैं लेकिन ये 5 जी को जाम करने में नाकाम हैं। जेल की चारदीवारी में रहकर भी कुख्यात गैंगस्टर इसका फायदा उठा रहे हैं। ये जैमर जेल के अंदर नेटवर्क की सिग्नल स्ट्रेंथ को कम कर देते हैं। तिहाड़ जेल प्रशासन समय-समय पर इसकी जांच करती रहती है। फिलहाल जैमर की क्षमता में कमी होने की वजह से इसे अपडेट किया जा रहा है।

तीर्थयात्रियों के बस पर हमले में शामिल आतंकी का स्केच जारी, सूचना देने पर 20 लाख रुपये का इनाम

नेशनल डेस्क: जम्मू कश्मीर पुलिस ने रियासी जिले में एक यात्री बस पर हमले में शामिल एक आतंकवादी का स्केच मंगलवार को जारी किया और उसके बारे में सूचना देने वाले को 20 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की। हाल में आतंकवादियों ने श्रद्धालुओं को शिव खोरी मंदिर से कटरा ले जा रही 53 सीट वाली एक बस पर पोनी इलाके में तेरयाथ गांव के पास रविवार को गोलीबारी कर दी थी। हमले के बाद बस खाई में जा गिरी थी। इस घटना में नौ लोगों की मौत हो गई थी और 41 लोग जख्मी हो गए थे। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, ''रियासी पुलिस ने पोनी क्षेत्र में यात्री बस पर हाल में हुए हमले में शामिल आतंकवादी के बारे में कोई भी महत्वपूर्ण जानकारी देने पर 20 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि आतंकवादी का स्केच प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा दिए गए विवरण के आधार पर तैयार किया गया है। उन्होंने लोगों से सूचना मुहैया कराने की अपील की।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569